RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 159 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 02-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विश्व कप 2027 के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंतित हूं : अश्विन

6 समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

7 'द डर्टी पिक्चर' ने बदल दी थी अभिनेत्री विद्या बालन की किस्मत

फर्स्ट टेक

अफगानिस्तान में भारी बारिश से अचानक आई बाढ़ में 17 लोगों की मौत

काबुल/एपी। अफगानिस्तान में कई इलाकों में भारी बारिश से अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकारण के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, मौसम की पहली भारी बारिश और हिमपात से लंबे समय से चले आ रहे सूखे का अंत हो गया है। अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि भीषण मौसम ने मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में भी दैनिक जीवन को बाधित कर दिया है। उन्होंने बताया कि बाढ़ ने प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया है व मवेशी भी मारे गए हैं।

वोडाफोन आइडिया पर 638 करोड़ रुपए का जीएसटी जुर्माना आदेश

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) को अहमदाबाद के केंद्रीय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यालय से लगभग 638 करोड़ रुपए के जुर्माने का आदेश मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह इस आदेश से असहमत है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। यह सूचना उस समय आई है जब कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी को बुधवार को अपने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वीआईएल के बकाया को रोकने, भुगतान से पांच साल की मोहलत देने और सीमित एजीआर बकाया की पुनः समीक्षा करने का निर्णय लिया।

यूरो क्षेत्र का 21वां सदस्य बना बुल्गारिया

सोफिया (बुल्गारिया)/बीटीए। बुल्गारिया ने आधिकारिक तौर पर 2026 के पहले दिन से यूरो मुद्रा को अपना लिया है और इसके साथ ही यह यूरो क्षेत्र का 21वां सदस्य बन गया है। यूरोपीय संघ में शामिल होने के ठीक 19 साल बाद देश ने यह मुद्रा अपनाई है। जनवरी के अंत तक, 'यूरो' के साथ-साथ (स्थानीय मुद्रा) 'लेव' भी भुगतान के वैध माध्यम बने रहेंगे। एक फरवरी से यूरो एकमात्र आधिकारिक मुद्रा बन जाएगा। आठ अगस्त, 2026 तक कीमतें यूरो और लेव दोनों में प्रदर्शित होती रहेंगी। जनवरी 2026 के महीने में, बुल्गारिया में लोग खुदरा दुकानों पर भुगतान के लिए लेव और यूरो दोनों मुद्राओं का उपयोग कर सकेंगे। दुकानदारों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे ग्राहकों को बची हुई राशि केवल एक ही मुद्रा(यूरो में या यदि यूरो उपलब्ध न हों तो लेव में) में वापस करें।

सूर्यास्त 02-01-2026	सूर्योदय 03-01-2026
6:05 बजे	6:42 बजे

BSE	NSE
85,188.60	26,146.55
(-32.00)	(+16.95)

सोना	चांदी
13,906 रु.	236,498 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परिंदे

बड़े ही जोर से चहके,
सुरों से मन लुभावी हैं।
उड़ानें भर रहे जो भी,
समझना सब दिखावी हैं।
कभी मंदिर में चिंचियाते,
कभी मस्जिद में हावी हैं।
उड़ेंगे वोट दानें चुग,
परिंदे ये चुनावी हैं।।

सैलाब

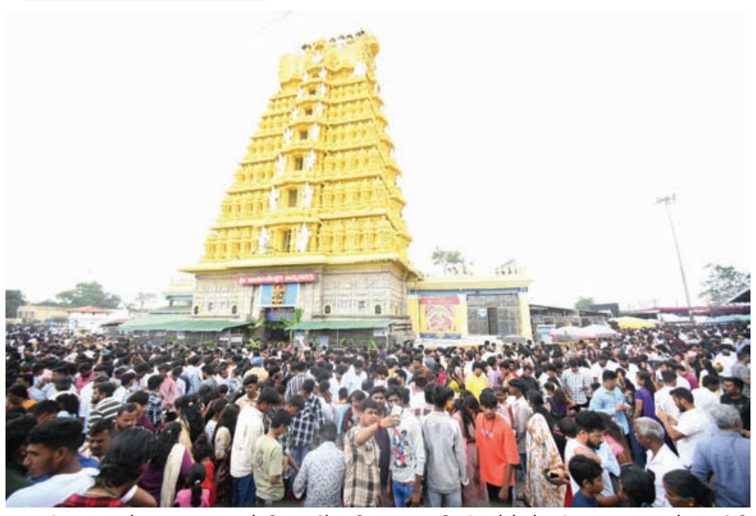

नववर्ष 2026 के अवसर पर देवी चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद लेने के लिए गुरुवार को चामुंडी पहाड़ियों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज़ से आए भक्तों ने मंदिर में दर्शन कर नए वर्ष की सुख-समृद्धि की कामना की।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा

पाकिस्तान के साथ गौरव गोगोई के संबंधों पर सबूत शीघ्र ही सामने रखूंगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जल्द ही पाकिस्तान के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के कथित संबंधों पर उनके खिलाफ सबूत पेश करेंगे।

शर्मा से जब यह पूछा गया कि क्या 'पाईजन' पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मीम में गोगोई का जिक्र है तब उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि सोशल मीडिया पर क्या है, लेकिन गोगोई और उनके परिवार के संबंध निश्चित रूप से पाकिस्तान से हैं।

भाजपा ने कई एआई-जनित वीडियो प्रसारित किए हैं जिनमें गोगोई जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति को 'पाईजान' (पाकिस्तान और भाईजान का संयोजन) कहा गया है और उनपर आरोप लगाया गया है कि उनके और उनकी पत्नी के पाकिस्तान की आईएसआई के साथ घनिष्ठ संबंध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वह और उनका परिवार पाकिस्तान से गहराई से जुड़े हुए हैं। मैं जल्द ही राज्य की जनता के सामने सबूत पेश करूंगा।''

शर्मा ने लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई और उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने का आरोप लगाया था और मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

बेंगलूरु से साइकिल से कन्याकुमारी तक जाने पर मोदी ने एस सुरेश कुमार को बधाई दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के भाजपा विधायक एस सुरेश कुमार से बात की और बेंगलूरु से साइकिल से कन्याकुमारी तक जाने की उनकी उपलब्धि की प्रशंसा की।

कुमार (70) ने एक दुर्लभ तंत्रिका विकार से उबरने के बाद महज पांच दिनों में साइकिल की सवारी कर 702 किमी की दूरी तय करने की उपलब्धि हासिल की। इस तंत्रिका विकास के कारण उन्हें महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा था।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''साइकिल चलाकर बेंगलूरु से कन्याकुमारी पहुंचने की श्री एस. सुरेश कुमार जी की उपलब्धि सराहनीय और प्रेरणादायक है। तथ्य यह है कि स्वास्थ्य संबंधी झटकों से उबरने के बाद यह किया गया था, जो उनके धैर्य और अडिग भावना को उजागर करता है। यह तंदुरुस्ती का भी अहम संदेश देता है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कुमार से बात की और उन्हें इस प्रयास के लिए बधाई दी।

कुमार ने भी पोस्ट किया कि साइकिल चलाकर कन्याकुमारी तक 702 किलोमीटर की यात्रा करने को लेकर प्रधानमंत्री ने बधाई देने के लिए उन्हें कॉल की उससे वह रोमांचित हैं।

'सुदर्शन चक्र' निर्माण में डीआरडीओ अहम भूमिका निभाएगा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ डीआरडीओ को अगले दशक में पूर्ण हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारी महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों को वायु रक्षा प्रणाली से लैस करने का दायित्व सौंपा गया है।

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निर्णायक भूमिका निभाई और यह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के प्रति संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

रक्षामंत्री ने डीआरडीओ की 68वीं वर्षगांठ के अवसर पर संगठन के मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि संगठन सुदर्शन चक्र के निर्माण में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाएगा, और विश्वास व्यक्त किया कि यह 'इस लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त करने के लिए पूरी लगन से काम करेगा'।

मिशन सुदर्शन चक्र की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 में लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में की थी।

सिंह ने एक बैठक के दौरान कहा, ''इस पहल के तहत, डीआरडीओ को अगले दशक में पूर्ण हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारी महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों को वायु रक्षा प्रणाली से लैस करने का दायित्व सौंपा गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने आधुनिक युद्ध में वायु रक्षा के महत्व को देखा। मुझे विश्वास है कि डीआरडीओ इस लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल करने के लिए पूरी लगन से काम करेगा।''

डीआरडीओ की स्थापना 1958 में भारतीय सेना के तत्कालीन तकनीकी विकास प्रतिष्ठानों (टीडीई) और तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय (डीटीडीपी) के रक्षा विज्ञान संगठन (डीएसओ) के साथ विलय कर की गई थी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक डीआरडीओ की जब स्थापना की गई थी तब यह एक छोटा संगठन था जिसमें 10 प्रतिष्ठान या प्रयोगशालाएं थीं। हालांकि, वर्षों से इसने विषय-क्षेत्रों की विविधता, प्रयोगशालाओं की संख्या, उपलब्धियों और प्रतिष्ठा के मामले में बहुआयामी विकास किया है।

सिंह ने डीआरडीओ से ''तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठाते हुए'' आगे बढ़ते रहने और बदलते समय के अनुरूप प्रासंगिक उत्पाद बनाते रहने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन से नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखने तथा ऐसे और क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया जो निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ा सकते हैं।

स्विट्जरलैंड के एक बार में लगी आग में कई लोगों के मारे जाने की आशंका

क्रांस मोंटाना (स्विट्ज़रलैंड)/एपी। स्विट्ज़रलैंड के एक बार में नव वर्ष समारोह के दौरान लगी आग में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है और लगभग 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकतर की हालत गंभीर है। स्विट्ज़रलैंड पुलिस ने यह जानकारी दी। बार 'ले कॉन्स्टेलेशन' में हुई इस घटना में हताहतों की सटीक संख्या के बारे में तत्काल जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। अधिकारियों ने बताया कि बार में लगी आग के कारणों के बारे में कोई भी दावा करना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हमले की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों की सहायता के लिए हेलीकॉप्टर और एम्बुलेंस घटनास्थल पर तुरंत हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ितों में अलग-अलग देशों के नागरिक भी शामिल हैं। वैलिस कैंटोनल पुलिस के कमांडर फ्रेडरिक गिस्लर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम बेहद दुखी हैं।'' क्षेत्रीय कांउसलर मैथियास रेनार्ड के अनुसार, घायलों की संख्या इतनी अधिक थी कि क्षेत्रीय अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई और ऑपरेशन थिएटर जल्दी ही पूरी तरह से भर गए।

भारत के खिलाफ षड्यंत्र बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कवर्धा/भाषा। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है और इससे देशवासियों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्री शेखावत और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बृहस्पतिवार को कबीरधाम जिले के भोरमदेव में भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन किया।

शेखावत ने इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है।'' उन्होंने कहा, ''नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है। आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है, इससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सड़कों, पुल-पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेयजल, बिजली, डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर-घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में सकारात्मक बदलाव करते हुए अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार प्रदान किया जा रहा है। साथ ही रोजगार उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में मुआवजे की गारंटी भी इस योजना में शामिल की गई है।

एआई एक 'बड़ा अवसर' है

इसके लाभ सभी तक पहुंचें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बृहस्पतिवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को सकारात्मक बदलाव लाने का एक ''बड़ा अवसर'' बताते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इसके लाभ समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से वंचितों तक पहुंचें। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि एआई भारत की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका के रूप में उभर रहा है और आने वाले दशकों में इसका देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), रोजगार और उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी बाधाओं को कम करने के लिए एआई का उपयोग किया जाना चाहिए।

धार्मिक अनुष्ठान

बिहार के बोधगया में गुरुवार को आयोजित '40वें काग्यू मोनलम' प्रार्थना समारोह के दौरान बौद्ध भिक्षु धार्मिक अनुष्ठान करते हुए।

बांग्लादेश में हिंदू व्यवसायी पर हमला, पेट्रोल डालकर आग लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में अज्ञात बदमाशों ने एक हिंदू कारोबारी पर बेरहमी से हमला किया, उसके शरीर पर धारदार हथियार से वार किये और फिर उसे आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के हवाले से बांग्ला दैनिक 'प्रोथोम आलो' ने बताया कि पीड़ित की पहचान 50-वर्षीय खोकोन चंद्र दास के रूप में हुई है, जिन पर बुधवार रात को शरीयतपुर जिले के डामुड्या में केउरभंगा बाजार के पास उस समय हमला किया गया जब वह अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे। उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए ढाका ले जाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का व्यवसाय करने वाले दास एक ऑटो रिक्शा में यात्रा कर रहे थे, तभी हमलावरों ने वाहन को रोक लिया और कथित तौर पर उनकी पिटाई की, धारदार हथियारों से उन पर वार किये और फिर उनपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। खुद को बचाने की कोशिश में दास सड़क किनारे एक तालाब में कूद गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शोर मचाया।

पुलिस ने बताया कि हमलावर मौके से फरार हो गए।

चीन के राष्ट्रपति शी ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में देश की प्रगति को सराहा

▪ ताइवान के विलय के रुख को दोहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/एपी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को कृत्रिम मेधा (एआई) और सेमीकंडक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने देश की तकनीकी प्रगति की सराहना की और स्वशासित ताइवान को चीन में मिलाने के अपने रुख को दोहराया।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर बुधवार शाम सरकारी मीडिया पर प्रसारित संबोधन में शी ने सैन्य प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अन्वेषण समेत प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की प्रशंसा की।

भाषण के दौरान स्क्रीन पर कुंग फू करते इंसान जैसे रोबोट से लेकर नई जलविद्युत परियोजनाओं तक की झलकियां दिखाई गईं। शी ने कहा, हमने नवाचार के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले विकास को गति देने का प्रयास किया।'' उन्होंने पिछले पांच वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर देश की प्रगति में योगदान देने के लिए चीनी जनता का आभार जताया। शी ने ताइवान के चीन में विलय करने संबंधी रुख को दोहराया।

उन्होंने कहा, ताइवान और चीन में रहने वाले लोगों का खून का रिश्ता है।

ताइवान एक स्वशासित लोकतंत्र है जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है।

दुष्कर्म के झूठे आरोप, लोगों पर अमिट घाव छोड़ते हैं : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि दुष्कर्म के झूठे आरोपों में किसी व्यक्ति को फंसाए जाने से आरोपी को ऐसे घाव मिलते हैं जो जिंदगी भर नहीं मिट सकते और कथित पीड़िता एवं आरोपी दोनों के लिए इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा दिल्ली पुलिस द्वारा निचली न्यायाल के आदेश को चुनौती देने के लिए दायर एक पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई कर रही थीं। पीड़िता के अपने पुराने बयानों से मुकर जाने के बाद सभी आरोपियों को निचली न्यायालय ने बरी कर दिया था।

अदालत ने 15 दिसंबर के एक आदेश में कहा, ''जिस आरोपी को झूठे आरोपों में फंसाया हुआ पाया जाता है, उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान, कारावास, सामाजिक कलंक और मानसिक पीड़ा ऐसे घाव छोड़ सकते हैं जो जीवन भर नहीं भर सकते। ये पीड़ा ठीक उसी तरह है जैसे यौन उत्पीड़न के वास्तविक मामलों में पीड़िता की गरिमा को चोट पहुंचती है।'' अदालत ने कहा कि बिना किसी बाहरी दबाव के पीड़िता के बयान में आए पूरी तरह के बदलाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, ''किसी दबाव या मजबूरी के बिना बयान को बाद में पूरी तरह बदल दिए जाने से गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं जिन्हें संवैधानिक अदालत नजरअंदाज नहीं कर सकती। ऐसा इसलिए क्यूंकि न सिर्फ कथित पीड़िता के लिए बल्कि आरोपी व्यक्तियों और उनके परिवारों के लिए भी दुष्कर्म के आरोपों के दुरगामी परिणाम होते है।'' अदालत ने कहा कि इस तरह की झूठी शिकायतें आम लोगों के मन में संदेह तथा झिझक पैदा करती हैं और फिर सच्ची शिकायतों को भी शक भरी नजर से देखा जाता है।

न्यायाधीश ने कहा, ''जब गंभीर आरोप लगाए जाते हैं और फिर बिना किसी स्पष्टीकरण के वापस ले लिए जाते हैं, तो इससे यौन हिंसा के पीड़ितों की सुरक्षा के लिए बनाई गई प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कम होता जाता है। इसका दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम यह होता है कि जिन महिलाओं से वास्तव में ऐसे अपराधों किए गए हैं उनकी आवाज पर सवाल उठाए जा सकते हैं या उनकी पीड़ा पर संदेह किया जा सकता है।'' न्यायाधीश उस मामले की सुनवाई कर रही थीं जिसमें एक महिला ने तीन पुरुषों पर नौकरी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था, लेकिन उसने मुकदमे के दौरान अपना बयान वापस ले लिया।

'कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले हिटलर की राह पर, एक दिन इनका अंत होगा'

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फ़ारूक़ अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के कुछ हिस्सों में कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले लोग हिटलर की राह पर चल रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे अतिवादी तत्व समय के साथ समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह हमारी नियति है कि कुछ लोग ऐसे हैं जिनका लक्ष्य कुछ और ही है। वे हिटलर की राह पर चल रहे हैं और हिटलर जैसी व्यवस्था कायम करना चाहते हैं।

कश्मीरियों पर हमलों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''लेकिन हिटलर खत्म हो गया; उसने खुद को गोली मार ली। वहां नाज़ीवाद का अंत हो गया, यहां भी एक समय आएगा, जब ये अतिवादी तत्व चले जाएंगे।'' जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने नए साल की शुरुआत पर शांति और भारत के पड़ोसी देशों के साथ दोस्ती के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, नया साल शुरू हो गया है। ईश्वर बारिश और हिमपात करे ताकि हमारी कठिनाइयां कम हों। मैं प्रार्थना करता हूं कि हमारे देश में शांति बनी रहे और हम पड़ोसी देशों से मित्रता करें, ताकि हम इन मुश्किलों से बाहर निकल सकें।

तंबाकू उत्पाद विनिर्माताओं को एक फरवरी से लगाना होगा सीसीटीवी, फुटेज को दो साल रखना अनिवार्य

नई दिल्ली/भाषा। तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा बनाने वाली कंपनियों को एक फरवरी से सभी पैकिंग मशीनों पर सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी और उसकी फुटेज को कम-से-कम 24 महीने तक सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। एक सरकारी अधिसूचना में यह प्रावधान किया गया है।

वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित चबाने वाला तंबाकू (चबाने वाला), जर्दा, सुगंधित तंबाकू और गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण और शुल्क संग्रह) नियम के तहत यह प्रावधान किया गया है। यह नियम उन विनिर्माताओं पर लागू होंगे जो इन उत्पादों को पाउच में पैक करते हैं। हालांकि टिन के डिब्बों में इन उत्पादों की बिक्री करने वाली कंपनियों को आकलन मूल्य पर लागू शुल्क देना होगा। अधिसूचना के मुताबिक, यदि कोई पैकिंग मशीन लगातार कम-से-कम 15 दिनों तक बंद रहती है, तो विनिर्माता उत्पाद शुल्क में छूट का दावा कर सकता है। लेकिन इसके लिए विभाग को तीन कार्यदिवस पहले सूचना देना और मशीन को सील कराना अनिवार्य होगा। उस मशीन को फिर से चालू करने या फैक्टरी से हटाने के लिए भी पूर्व सूचना देना आवश्यक होगा। मंत्रालय ने 31 दिसंबर, 2025 को जारी अधिसूचना में कहा कि 40 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अतिरिक्त इन तंबाकू उत्पादों पर एक फरवरी से अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया जाएगा। इसके तहत चबाने वाला एवं जर्दा सुगंधित तंबाकू 82 प्रतिशत शुल्क और गुटखा 91 प्रतिशत उत्पाद शुल्क के दायरे में आएगा।

मोदी ने एलडीएफ-यूडीएफ पर निशाना साधा

तिरुवनंतपुरम में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गठबंधनों वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतान्त्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर 'नूरा-कुश्ती का खेल खेलने' का आरोप लगाते हुए कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की पहली जीत के बाद अब इस व्यवस्था का अंत होने जा रहा है।

शहर के महापौर वी. वी. राजेश को लिखे पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत ऐतिहासिक है। उन्होंने हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में केरल की राजधानी में पार्टी के सत्ता में आने पर राजेश और भाजपा नेताओं की सराहना की।

मोदी ने 30 दिसंबर को लिखे पत्र में कहा कि महापौर और उपमहापौर जी. एस. आशा नाथ के शपथ ग्रहण के साथ ही तिरुवनंतपुरम में इतिहास रच गया है। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम में पार्टी की सफलता इस बात का संकेत है कि केरल के लोग, विशेषकर युवा और महिलाएं एक नए सूर्योदय के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री के अनुसार, भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जनता के लिए एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो बहिष्कार रहित राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार रहित विकास और तुष्टीकरण रहित शासन की अवधारणा पर आधारित है। उन्होंने कहा, दिल्ली में मित्र और केरल में प्रतिद्वंद्वी होने का एलडीएफ और यूडीएफ की नूरा-कुश्ती का खेल अब खत्म होने वाला है। केरल उनके अधूरे वादों से मुक्ति पाना चाहता है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) सत्तारूढ़ एलडीएफ का नेतृत्व करती है, जबकि कांग्रेस यूडीएफ का नेतृत्व करती है। दोनों दल केरल में प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' गठबंधन में सहयोगी हैं।

मोदी ने कहा कि दशकों से एलडीएफ और यूडीएफ के प्रभुत्व वाले केरल में भाजपा कार्यकर्ताओं को काफी मेहनत करनी पड़ी है और इन मोर्चों का खराब शासन रिकॉर्ड सबके सामने है।

उन्होंने कहा, ''इन गठबंधनों ने केरल की परंपराओं के विपरीत भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दिया। इसके बावजूद, विपरीत परिस्थितियों और हिंसा के बीच भाजपा कार्यकर्ता दृढ़ता से डटे रहे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने निडर होकर जन मुद्दे उठाए और साहस के साथ भारत प्रथम'' की विचारधारा के अनुरूप काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि जनता के लिए संघर्ष करने वाले पार्टी के कई नेता अब इस दुनिया में नहीं, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा बना रहेगा। मोदी ने तिरुवनंतपुरम के अपने दौरे की यादें साझा करते हुए कहा कि केरल की राजधानी ने देश को कई नेता, समाज सुधारक, कलाकार, संगीतकार, कवि, सांस्कृतिक हस्तियां, संत और महापुरुष दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब ऐसा शहर हमारी पार्टी को आशीर्वाद देता है, तो यह अत्यंत गर्व करने वाला अनुभव है। विकसित तिरुवनंतपुरम बनाने का हमारा दृष्टिकोण समाज के सभी वर्गों में लोगों के साथ गूंजा है।

बैंकों में वापस लौटे 2,000 रुपए के 98.41 प्रतिशत नोट : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2,000 रुपए के कुल 98.41 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं और चलन से हटाए गए केवल 5,669 करोड़ रुपए मूल्य के नोट ही अब लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी।

केंद्रीय बैंक ने कहा, ''उन्नीस मई, 2023 को चलन में मौजूद 2,000 रुपए के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। यह 31 दिसंबर, 2025 को घटकर 5,669 करोड़ रुपए रह गया।'' बयान के अनुसार, ''इस तरह 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपए के 98.41 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ चुके हैं।'' दो हजार रुपए के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। इस नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से लोगों और इकाइयों से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2,000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग देश के भीतर डाकघरों के जरिये भी 2,000 रुपए के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भेज सकते हैं। यह पैसा उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2016 में नोटबंदी के समय 1,000 रुपए और 500 रुपए के बैंक नोट चलन से हटाए जाने के बाद 2,000 रुपए के बैंक नोट जारी किए गए थे। आरबीआई ने कहा कि 2,000 रुपए के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

वर्ष 2026 को कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए जन आंदोलन बनाएं : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को नए साल की बधाई दी और लोगों का आह्वान किया कि वर्ष 2026 को कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए जन आंदोलन बनाएं।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस आनंदमय नव वर्ष पर, मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आइए इस वर्ष को हम कमजोर लोगों के अधिकारों, काम करने का अधिकार, वोट देने का अधिकार और सम्मान के साथ जीने का अधिकार की रक्षा के लिए एक जन आंदोलन बनाएं। आइए हम सब मिलकर अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें, नागरिकों को सशक्त बनाएं और समाज में सद्भाव को मजबूत करें।''

पंजाब सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए अभियान शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य भर में वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए साडे बुजुर्ग साडा मान (हमारे बुजुर्ग हमारा गौरव) नामक एक राज्य स्तरीय अभियान शुरू करने की घोषणा की।

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री बलजीत कौर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान 16 जनवरी से एसएएस नगर (मोहाली) में शुरू होगा और पूरे पंजाब में जिलावार आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, स्वास्थ्य सेवा, वृद्धाश्रम, डे केयर सेंटर और जागरूकता कार्यक्रमों पर लगभग 24 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ नागरिकों हेतु 'राज्य कार्य योजना' के अंतर्गत 786.83 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है।

कौर ने कहा कि इस अभियान के तहत मुफ्त चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें आंखों और ईएनटी की जांच, मोतियाबिंद की जांच और सर्जरी, वृद्धावस्था स्वास्थ्य जांच, योग सत्र और कानूनी जागरूकता जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन फॉर्म, वरिष्ठ नागरिक कार्ड और आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि 2023 में आयोजित इसी तरह के शिविरों में राज्य भर में 20,000 से अधिक पंजीकरण हुए थे।

उन्होंने आगे कहा कि 2025-26 के दौरान 14 जिलों के वृद्धाश्रमों को 6.82 करोड़ रुपए का अनुदान प्रदान किया जाएगा, जबकि बरनाला और मानसा के डे केयर सेंटर को 2.5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

कौर ने यह भी घोषणा की कि मानसा जिले में 9.12 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 72 बिस्तरों वाला एक सरकारी वृद्धाश्रम 10 जनवरी को खोला जाएगा।

गगनयान मानवरहित मिशन और निजी रॉकेट लांचर होंगी 2026 के अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रमुख बातें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की पहली यात्रा की सफलता के आधार पर भारत इस साल के आखिर तक मानवरहित गगनयान मिशन के उड़ान भरने के साथ ही अपनी पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान की दिशा में प्रथम कदम उठाने के लिए तैयार है।

अंतरिक्ष क्षेत्र की निजी कंपनियां 'स्काईरूट एयरोस्पेस' और 'अग्निकुल कॉसमॉस' भी स्वदेशी 'रॉकेट विक्रम-1' और अग्निबान से उपग्रहों को भेजने की तैयारी कर रही हैं, क्योंकि वे छोटे उपग्रहों के बढ़ते प्रक्षेपण बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं।

नए साल में ऐसे ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का प्रक्षेपण भी होगा, जिसे 2023 में इसरो से अनुबंध हासिल कर पूरी तरह हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो ने बनाया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने पिछले महीने संसद को बताया था कि गगनयान उर्फ जी-1 का पहला कक्षीय परीक्षण इस साल मार्च तक होने की उम्मीद है। इस यान में मानवाकार रोबोट व्योममित्र सवार होगा। यह मानवाकार रोबोट एक अंतरिक्ष यात्री के कार्यों का अनुकरण करेगा। भारत की 2027 में मानव अंतरिक्ष उड़ान की योजना है, उससे पहले यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी की निचली कक्षा में महत्वपूर्ण चालक दल प्रणालियों का सत्यापन करेगा।

भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल ए के भट्ट ने कहा, ''2026 में पीएसएलवी-एन1, अग्निकुल के 3डी प्रिंटेड इंजन और पिक्सल के हाइपरस्पेक्ट्रल नक्षत्रों के माध्यम से क्वांटम प्रौद्योगिकियों में सफलताओं के जरिए भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत होगी। हम समर्पित निजी प्रक्षेपण पैड जैसी बुनियादी ढांचागत जरूरतों को भी पूरा करेंगे।'' पिछले साल, शुक्ला एक्सिओम-4 वाणिज्यिक मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने थे और उन्होंने इतिहास रचा था।

शुक्ला ने कक्षीय प्रयोगशाला में 18 दिन बिताए, जहां उन्होंने सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रयोग किए। यह अनुभव भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए अत्यंत मूल्यवान साबित होगा। आईआईटी-मद्रास में विकसित अंतरिक्ष स्टार्टअप 'अग्निकुल कॉसमॉस' की योजना पुन: प्रयोज्य रॉकेट लॉन्च करने और अपने रॉकेट के ऊपरी चरणों को कार्यात्मक उपग्रहों में परिवर्तित करने की भी है ताकि लागत कम की जा सके। 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल उपस्थिति में विक्रम-1 रॉकेट का अनावरण किया था। कंपनी का लक्ष्य इस रॉकेट को इस साल की शुरुआत में व्यावसायिक पेलोड के साथ लॉन्च करना है।

खरीदार बनकर कार चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

बीड/भाषा। महाराष्ट्र के बीड शहर की पुलिस ने कार खरीदार बनकर वाहन मालिकों को ठगने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है और इस सिलसिले में गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर कार मालिकों को अग्रिम राशि के रूप में एक छोटी रकम का भुगतान करते थे। इसके बाद वे कागजी कार्रवाई पूरी करने और बकाया राशि चुकाने का वादा करके वाहन अपने कब्जे में ले लेते थे, लेकिन कार वापस नहीं करते थे। उन्होंने बताया कि सचिन आसाराम बोराडे नामक व्यक्ति की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जांच शुरू की, जिनकी 'स्विफ्ट डिजायर' कार इस गिरोह ने चोरी कर ली थी। पुलिस ने इस मामले में अमरावती जिले से गुड्डू खान रहमत खान और अब्दुल राजिक अब्दुल सादिक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, बरामद की गई कार का इस्तेमाल कथित तौर पर मवेशी चोरी करने के लिए किया जा रहा था। यदि लेनदेन बिचौलियों के माध्यम से भी किया जा रहा हो, तो भी विक्रेताओं को खरीदार की पहचान और विश्वसनीयता की जांच करनी चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि जब तक पूरा भुगतान न हो जाए और पंजीकरण एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी न हो जाए, तब तक मालिक को अपना वाहन किसी को नहीं सौंपना चाहिए।

मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, लड़वाऊंगा : हरीश रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगे तथा चुनाव लड़वाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि 2027 में उनकी पार्टी की जीत सुनिश्चित हो सके। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि वह 2022 का विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ना चाहते थे, लेकिन इस बार दृढ़ हैं कि अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

उत्तराखंड में अगला विधानसभा चुनाव वर्ष 2027 के फरवरी-मार्च में संभावित है।

अगला विधानसभा चुनाव लड़ने से जुड़े सवाल पर रावत ने कहा, ''मैं तो कह चुका हूं कि चुनाव लड़ाऊंगा। 2027 का विधानसभा करो या मरो का चुनाव होगा, यानी जीतो या खत्म हो जाओ। हम लगातार तीसरी बार किसी कीमत पर चुनाव नहीं हारना चाहते। इसलिए मैं चुनाव जिताने के लिए काम करूंगा।'' उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं 2022 में भी चुनाव नहीं लड़ना चाहता था, उस समय मना किया था। इस बार तो दृढ़ता से कहा है कि मैं चुनाव लड़ाऊंगा। महत्वपूर्ण है कि हम (70 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में) 40 की संख्या तक पहुंचें और सरकार बनाएं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उनके चुनाव नहीं लड़ने से जनता में कांग्रेस के खिलाफ गलत संदेश नहीं जाएगा तो रावत ने कहा, ''मैंने 2002 का चुनाव नहीं लड़ा था तथा सारे प्रचार अभियान का समन्वय किया था और हम जीत गए थे। 2007 में नहीं लड़ा था, तो हमने बहुत अच्छी टक्कर दी। 2012 में नहीं लड़ा था, सारा प्रचार अभियान चलाया और हम जीत गए।'' उनका कहना था, ''हमारे यहां प्रचार के लिए कोई चेहरा चाहिए। आज भी चेहरे के सामने चेहरे वाले चुनाव अभियान का बड़ा महत्व है।'' रावत ने मुख्यमंत्री पद की अपनी दावेदारी से जुड़े सवाल पर कहा कि कांग्रेस के अंदर मुख्यमंत्री पद के लिए चयन की एक प्रक्रिया है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री ने 2025 में फर्राटा लगाया, रिकॉर्ड 45.5 लाख वाहन बिके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में पिछले साल कुल 45.5 लाख यात्री वाहनों की थोक बिक्री हुई जो एक साल पहले के 43.05 लाख वाहनों से छह प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में जीएसटी दरों में कटौती से वाहनों की बिक्री में आई तेजी का इसमें खास योगदान रहा।

गुजरे साल की वाहन बिक्री में आई तेजी की अगुवाई दिग्गज कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने की जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और स्कोडा ऑटो इंडिया की रिकॉर्ड बिक्री ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई।

इस साल की एक खास बात यह रही कि घरेलू वाहन विनिर्माताओं महिंद्रा और टाटा ने लंबे समय तक दूसरे स्थान पर काबिज रही हुंदै मोटर इंडिया को पीछे छोड़ते हुए क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल कर लिया।

उद्योग जगत के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों की तरह 2025 में भी स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) की मांग मजबूत बनी रही। वर्ष 2024 में एसयूवी की यात्री वाहन बाजार में हिस्सेदारी 53.8 प्रतिशत थी लेकिन यह पिछले साल बढ़कर 55.8 प्रतिशत हो गई। इसके साथ छोटी कारों के खंड में भी जीएसटी दरें कम होने के बाद सुधार के संकेत दिखाई दिए।

बृहस्पतिवार को जारी बिक्री आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने 2025 में रिकॉर्ड 18.44 लाख इकाइयों की थोक बिक्री की, जो 2024 के 17.90 लाख वाहनों के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी ने कहा कि जीएसटी कटौती, 12 लाख रुपए तक आय पर कर राहत और रेपो दर में बड़ी कटौती ने उद्योग के प्रदर्शन को मजबूती दी।

बनर्जी ने कहा, हमें 2025 के साल को दो हिस्सों में देखना चाहिए। एक हिस्सा जीएसटी से पहले का है जबकि दूसरा हिस्सा अक्टूबर से बाजार में आई तेजी का है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने कहा कि एसयूवी की बढ़ती लोकप्रियता और स्वच्छ, कम उत्सर्जन वाले इंजनों के तेजी से अपनाए जाने से वर्ष 2025 उद्योग के लिए सकारात्मक रहा।

टाटा मोटर्स ने इस दौरान 5,87,218 इकाइयों की बिक्री की, जिसमें 81,125 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) भी शामिल हैं। यह किसी भी वर्ष में कंपनी की सर्वाधिक ईवी बिक्री है। महिंद्रा के वाहन खंड के सीईओ नलिनिकांत गोलागुंटा ने बताया कि 2025 में कंपनी ने एसयूवी और 3.5 टन से अधिक हल्के वाणिज्यिक वाहन खंड में अपनी रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की है।

चौथे स्थान पर खिसक गई हुंदै मोटर इंडिया ने दिसंबर महीने में 58,702 वाहनों की बिक्री की, जिसमें घरेलू बिक्री 42,416 और निर्यात 16,286 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने 2025 के पूरे साल में कुल 3,88,801 वाहनों की बिक्री कर अपना उच्चतम वार्षिक रिकॉर्ड बनाया, जो 2024 के 3,26,329 इकाई से 19 प्रतिशत अधिक है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने पिछले साल 72,665 वाहनों की बिक्री के साथ अपना रिकॉर्ड बनाया जबकि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 70,554 इकाई के साथ 19 प्रतिशत वृद्धि दिखाई।

होंडा कार्स इंडिया की दिसंबर में घरेलू बाजार में बिक्री सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत बढ़कर 5,807 इकाई रही।

इस दौरान इसने 2,352 वाहनों का निर्यात भी किया। मारुति सुजुकी के पार्थो बनर्जी ने वर्ष 2026 के संदर्भ में कहा कि मौजूदा परिस्थितियां जारी रहने और मानसून अच्छा रहने पर वाहन उद्योग छह-सात प्रतिशत की वृद्धि दर बनाए रखने में सक्षम होगा।

पूरे देश में जोर-शोर से किया गया नव वर्ष का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु/अमरावती। देश भर में नव वर्ष की धूम है और अनेक राज्यों में लोग बुधवार शाम से ही गीत संगीत के बीच अपने प्रियजनों के साथ मिलकर जश्न मनाते नजर आए। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में जहां लोगों ने पार्टियों और पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ नव वर्ष का स्वागत किया, वहीं तमिलनाडु में भारी बारिश और घने बादलों के बीच उत्सव मनाया गया। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में 31 दिसंबर की रात से ही संगीत और रोशनी के बीच भारी संख्या में लोगों ने जश्न मनाकर 2026 का स्वागत किया।

शाम से ही शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों, आईटी गलियारों और आवासीय इलाकों में उत्सव का माहौल रहा। एमजी रोड, चर्च स्ट्रीट, इंदिरानगर और ब्रिगेड रोड जैसे प्रमुख केंद्र सजावटी रोशनी और लाइव संगीत से गुलजार रहे, जहां रेस्तरां और पब में विशेष आयोजन हुए। रात 12 बजते ही आतिशबाजी के बीच लोगों ने केक काटकर और मिठाइयां बांटकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। सुरक्षा के लिए बेंगलूरु पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात किया था और मार्गों में परिवर्तन किया गया था।

सीसीटीवी और रात्रि गश्त के जरिए भीड़ को नियंत्रित किया गया और लोगों से जिम्मेदारी से जश्न मनाने की अपील की गई। बेंगलूरु की आधुनिक पार्टी संस्कृति और पारंपरिक अनुष्ठानों ने शहर की मिली-जुली संस्कृति को प्रदर्शित किया। बृहस्पतिवार सुबह होते ही श्रद्धालु आशीर्वाद लेने मंदिरों में उमड़े। लोग नारियल, अगरबत्ती और फूलों के साथ लंबी कतारों में खड़े दिखे।

बेंगलूरु के 'दोड्डा गणपति', 'दोड्डा बसवन्ना', वसंत वल्लभराय और बनशंकरी देवी मंदिर में भारी भीड़ रही, जहां पुजारियों ने 'होम' सहित विभिन्न अनुष्ठान किए। मैसूरु, मंगलूरु, श्रृंगेरी और उडुपी के प्रमुख मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। तमिलनाडु में 1.10 लाख पुलिसकर्मियों की कड़ी सुरक्षा के बीच समुद्र तटों और सार्वजनिक स्थानों पर 2026 का स्वागत किया गया। साल के पहले दिन राज्य के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हुई, जिसे मौसम विशेषज्ञों ने लंबे समय बाद हुई सबसे भारी वर्षा बताया। राज्यपाल आर एन रवि और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने लोगों को नव वर्ष की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्य पिछले संघर्षों से मिली सीख और साहस के साथ 2026 में सफलता की नयी ऊंचाइयों की ओर बढ़ेगा। ग्रेटर चेन्नई पुलिस ने 19,000 कर्मियों और 1,500 होम गार्ड को तैनात कर 425 स्थानों पर जांच की। पुलिस ने गिंडी, अडयार और थोराईपक्कम पर 'बाइक रेसिंग' रोकने के लिए 30 विशेष टीम तैनात कीं।मरीना बीच और अन्य तटों पर समुद्र में नहाने और आतिशबाजी पर प्रतिबंध के साथ जश्न केवल रात एक बजे तक ही मान्य था। अधिकारियों के अनुसार, ईस्ट कोस्ट रोड पर पनैयूर से कोवलम तक ड्रोन और समुद्र तटों पर घुड़सवार पुलिस से निगरानी की गई। हजारों लोगों ने मरीना बीच, एलियट बीच और बेसेंट नगर जैसे चेन्नई के प्रमुख समुद्र तटों पर आतिशबाजी और संगीत का आनंद लिया। बारिश के बावजूद प्रशंसक सुपरस्टार रजनीकांत के घर के बाहर सुबह से ही जमा होने लगे, जहां पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया।

राज्यभर के प्रसिद्ध मंदिरों जैसे कपलेश्वर, मदुरै मीनाक्षी और रामेश्वरम में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगीं। कन्याकुमारी में बादल छाए रहने के कारण हजारों लोग साल का पहला सूर्योदय नहीं देख पाए, जिससे उनमें निराशा रही, लोग साल का अंतिम सूर्यास्त भी नहीं देख सके थे। आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम, तिरुपति और अन्य शहरों में लोगों ने जोश के साथ नये साल का स्वागत किया।

विशाखापत्तनम के बीच रोड पर पुलिस की निगरानी में होटलों और क्लब में लाइव संगीत और डीजे पार्टियों का आयोजन हुआ। पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने तट पर रंगीन रोशनी और जीवंत माहौल का आनंद लिया। तिरुपति में नये साल के साथ 'वैकुंठ एकादशी' का संयोग होने से आध्यात्मिक उत्साह दिखा और मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। महिलाओं ने घरों में सफाई कर प्रवेश द्वारों पर 'मुग्गू' (रंगोली) बनाई और आम के पत्तों के तोरण लगाए। सुबह तेल के दीये जलाकर सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने परिवारों के साथ मंदिरों में पूजा-अर्चना कर अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। इसके बाद पारंपरिक भोजन का आनंद लिया गया, जिसमें पुलिहोरा, बोब्बातलु और पायसम जैसे व्यंजन शामिल हैं। राज्यपाल एस अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस सरकार कर्नाटक में सभी स्थानीय निकाय चुनाव 2026 में कराएगी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने राज्य में सभी स्थानीय निकाय चुनाव 2026 में कराने का संकल्प लिया है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि सरकार लोगों के लिए शांति और खुशी सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी और नए साल में उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करेगी।

राज्य कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, कांग्रेस पार्टी ने 2026 में राज्य में सभी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का संकल्प किया है। हाल में उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार को अगले दो से तीन महीनों में जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनाव कराने होंगे और उन्होंने पार्टी नेताओं को इसके लिए तैयारी करने का निर्देश दिया था।

शिवकुमार ने यह भी घोषणा की कि बृहद बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगमों के चुनावों के लिए पार्टी टिकट चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए आवेदन पत्र उपलब्ध करा दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने 2025 में कर्नाटक में सुशासन प्रदान किया।

शिवकुमार ने कहा, केंद्र सरकार द्वारा हमारी परियोजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध न कराने के बावजूद, हम बेंगलूरु को एक नया स्वरूप दे रहे हैं जो भारत को सम्मान दिलाएगा। जनता ने भी सहयोग दिया है। इस बीच शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलूरु शहर के लिए कई प्रमुख बुनियादी ढांचा और शहरी विकास परियोजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि ये पहल शहर के भविष्य को महत्वपूर्ण रूप से नया आकार देंगी।

उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार बेंगलूरु के विकास और यातायात संबंधी चुनौतियों से निपटने के व्यापक दृष्टिकोण के तहत भूमि संबंधी मुद्दों को हल करने के साथ-साथ अरसे से लंबित सड़क, सुरंग, फ्लाईओवर और टाउनशिप परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है।

कर्नाटक का सबसे अधिक राजस्व वाला मंदिर बना कुक्के सुब्रमण्या मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ का प्रख्यात कुक्के सुब्रमण्या मंदिर राज्य में सबसे अधिक राजस्व प्राप्त करने वाला मंदिर बनकर उभरा है। दान विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भगवान सुब्रमण्या को समर्पित इस मंदिर ने पिछले तीन वित्त वर्षों में आय में सतत वृद्धि दर्ज की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चला कि मंदिर में 2022-23 में 123 करोड़ रुपये दान आया था, जो 2023 में 146 करोड़ रुपये और 2024-25 में बढ़कर 155 करोड़ रुपये पहुंच गया।

कुक्के सुब्रमण्या के बाद आय के मामले में उडुपी का कोल्लुर मूकांबिका मंदिर दूसरे और मैसूरू का चांमुडेश्वरी मंदिर तीसरे स्थान पर रहा। अधिकारियों ने बताया कि दान संग्रह में यह वृद्धि अधिक श्रद्धालुओं के आने, सुविधाओं में सुधार और मंदिर के बेहतर प्रबंधन की वजह से हुई।

कर्नाटक के दान विभाग के तहत वर्तमान में 34,566 मंदिर पंजीकृत हैं, जिसमें से 205 मंदिर 'ए' वर्ग में, 193 मंदिर 'बी' वर्ग में जबकि ज्यादातर मंदिर 'सी' वर्ग में वर्गीकृत हैं।

यह वर्गीकरण आय के स्तरों, धरोहर मूल्य और प्रशासनिक स्तर पर आधारित हैं। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में शीर्ष 10 मंदिरों की सकल आय में भी सतत वृद्धि दर्ज की गई है, जो 2022-23 में 368 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 433 करोड़ रुपये पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि आय में वृद्धि से ढांचागत सुविधाएं मजबूत करने, श्रद्धालुओं की सेवाएं बढ़ाने और पूरे प्रदेश में धार्मिक एवं सामाजिक कल्याण गतिविधियों में मदद मिलेगी।

श्रीक्षेत्र धर्मस्थल ने बेलथांगडी अदालत में वकालतनामा दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। सामूहिक कब्रगाह मामले को लेकर सुर्खियों में रहे श्रीक्षेत्र धर्मस्थल प्रशासन ने अपना पक्ष रखने के लिए बृहस्पतिवार को बेलथांगड़ी अदालत में एक वकालतनामा दाखिल किया। एक वरिष्ठ अधिवक्ता के जरिये दाखिल वकालतनामा में अनुरोध किया गया है कि इस मामले में मंदिर प्रशासन के अधिकार को सुना जाए। विशेष जांच टीम (एसआईटी) की जांच के बाद यह मामला फिलहाल न्यायिक जांच के अधीन है। श्रीक्षेत्र धर्मस्थल की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने दलील दी कि इस मामले से मंदिर की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर लगाए गए कुछ आरोपों से लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रशासन ने जांच एजेंसियों का निरंतर सहयोग किया और वह कानून के शासन के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों से धर्मस्थल जबरदस्त राजनीतिक और वैचारिक बहस का केंद्र रहा है। मंदिर के अधिकारियों और समर्थकों का आरोप है कि वामपंथी संगठनों ने बिना ठोस साक्ष्य के हत्या और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर संस्थान की छवि खराब की है।

इस तरह के दावे राजनीति से प्रेरित थे और एक शताब्दी पुराने इस धार्मिक संस्थान की छवि खराब करने के उद्देश्य से किए गए थे।

मंदिर प्रबंधन ने बार-बार यह बात कही है कि विभिन्न जांच में ये आरोप निराधार पाए गए और भ्रामक अभियानों से मंदिर के प्रति लोगों की धारणा को अपूरणीय क्षति हुई। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि वकालतनामा दाखिल करना, न्यायिक साधनों से मंदिर की संस्थागत प्रतिष्ठा की रक्षा करने के इसके इरादे का पता चलता है। यह मामला धर्मस्थल गांव में वर्ष 2017 और 2019 के बीच पोस्टमार्टम समेत आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं के बगैर कथित तौर पर कई अज्ञात शवों को दफनाए जाने से जुड़ा है। यह स्थान प्रसिद्ध धर्मस्थल मंजूनाथ मंदिर के लिए विख्यात है।

उद्घाटन

गुरुवार को बेंगलूरु के हेब्बाल में बेंगलूरु डेवलपमेंट अथॉरिटी के बनाए फ्लाईओवर का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया, जिससे तुमकुर और बेंगलूरु नॉर्थ से मेखरी सर्कल की ओर ट्रैफिक आसान हो जाएगा। इस मौके पर मंत्री बैराती सुरेश, बीडीए अध्यक्ष एवं विधायक एन ए हैरिस, कमिश्नर मणिवन्नन, उपमुख्यमंत्री के सेक्रेटरी राजेंद्र चोलन और दूसरे लोग मौजूद थे।

एयर मार्शल श्रीनिवास ने वायुसेना ट्रेनिंग कमांड के एओसी-इन-सी का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एयर मार्शल सीथेपल्ली श्रीनिवास ने गुरुवार को भारतीय वायुसेना की ट्रेनिंग कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) का पदभार संभाला। उन्होंने ट्रेनिंग कमांड वॉर मेमोरियल पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र, एयर मार्शल श्रीनिवास 13 जून, 1987 को वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन हुए थे। वे कैटेगरी 'ए' क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं, जिनके पास मिग-21, इस्करा, किरण, पीसी-7 एमके 2, एचपीटी-32 और माइक्रोलिट जैसे एयरक्राफ्ट पर 4,200 घंटे से ज़्यादा का फ्लाइंग अनुभव है। वे चेतक/चीता हेलीकॉप्टर पर सेकंड पायलट के तौर पर भी क्वालिफाइड हैं और पेचोरा मिसाइल सिस्टम पर कैटेगराइज़्ड ऑपरेशंस ऑफिसर रहे हैं।

उन्होंने कई कमांड पदों पर काम किया है। वे वायुसेना अकादमी के कमांडेंट, पश्चिमी सीमा पर फ्रंटलाइन फाइटर बेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग, प्रमुख फ्लाइंग ट्रेनिंग बेस, एओसी एडवांस एचक्यू वेस्टर्न एयर कमांड (जयपुर), प्रतिष्ठित फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर्स स्कूल के कमांडिंग ऑफिसर, इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस सेफ्टी के कमांडेंट और बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल के सीओ रह चुके हैं।

उनके स्टाफ और अन्य नियुक्तियों में असिस्टेंट चीफ ऑफ द एयर स्टाफ (पर्सनल ऑफिसर्स), वायुसेना अकादमी में चीफ इंस्ट्रक्टर (फ्लाइंग), एचक्यू सेंट्रल एयर कमांड में ऑप्स स्टाफ और कॉलेज ऑफ एयर वॉरफेयर में डायरेक्टिंग स्टाफ शामिल हैं। अपनी मौजूदा जिम्मेदारी से पहले, वे एचक्यू एसडब्लूएसी में सीनियर एयर स्टाफ ऑफिसर थे। एयर मार्शल नेशनल डिफेंस कॉलेज, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज के स्नातक हैं। उनकी शैक्षिक योग्यताओं में डिफेंस और स्ट्रेटेजिक स्टडीज़ में मास्टर ऑफ फिलॉसफी, मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ और डिफेंस एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज़ में मास्टर ऑफ साइंस शामिल हैं। उन्हें राष्ट्रपति द्वारा साल 2017 में विशिष्ट सेवा मेडल और साल 2024 में अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था।

बेंगलूरु में गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके सदाशिवनगर स्थित घर पर मुलाकात करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उन्हें नए साल की शुभकामनाएं दी।

वर्ष 2026 को कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए जन आंदोलन बनाएं : खरगे

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को नए साल की बधाई दी और लोगों का आह्वान किया कि वर्ष 2026 को कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए जन आंदोलन बनाएं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस आनंदमय नव वर्ष पर, मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आइए इस वर्ष को हम कमजोर लोगों के अधिकारों, काम करने का अधिकार, वोट देने का अधिकार और सम्मान के साथ जीने का अधिकार की रक्षा के लिए एक जन आंदोलन बनाएं। आइए हम सब मिलकर अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें, नागरिकों को सशक्त बनाएं और समाज में सद्भाव को मजबूत करें।'' उन्होंने कहा, ''हमारे युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के लिए सुरक्षा, किसानों के लिए समृद्धि, हाशिये पर मौजूद लोगों के लिए सम्मान और सभी के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता, ये हमारा साझा संकल्प होना चाहिए। आने वाला वर्ष आप सभी के लिए सुख, समृद्धि और प्रगति लेकर आए।''

निट्टे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एन. विनय हेगड़े का निधन

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु स्थित निट्टे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, प्रख्यात शिक्षाविद और उद्योगपति एन. विनय हेगड़े का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। हेगड़े को तटीय कर्नाटक में आधुनिक उच्च शिक्षा के प्रमुख शिल्पकारों में से एक माना जाता है। इंजीनियरिंग, मेडिसिन, प्रबंधन और सहायक क्षेत्रों में संस्थानों की स्थापना के जरिए हेगड़े ने दक्षिण कन्नड़ को एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक केंद्र में बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई। तीन अप्रैल, 1939 को जन्मे एन. विनय हेगड़े, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष न्यायमूर्ति केएस हेगड़े के दूसरे बेटे थे। हेगड़े के परिवार में पत्नी सुजाता, बेटी अश्विता आर. पुंजा और बेटा विशाल हेगड़े हैं।

एसआईटी को शबरीमला मामले में बरामद सोने की तुलना में कहीं अधिक सोना गायब होने का संदेह

तिरुवनंतपुरम। शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने संदेह जताया है कि मंदिर से चोरी हुए सोने की वास्तविक मात्रा, मुख्य आरोपी से बरामद किए गए सोने से कहीं अधिक है। कोल्लम सतर्कता न्यायालय में एसआईटी द्वारा दायर एक आवेदन में इस संदेह का उल्लेख किया गया, जिसमें मामले के तीन आरोपियों - प्रायोजक उन्नीकृष्णन पोट्टी, स्मार्ट क्रिएशन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पंकज भंडारी और जौहरी गोवर्धन रोड्डम की हिरासत का अनुरोध किया गया है।

हिरासत आवेदन में एसआईटी ने बताया कि साल 2019 में शबरिमला मंदिर के गर्भगृह (श्रीकोविल), स्तंभों और द्वारपालों की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने के लिए 42.100 किलोग्राम वजनी तांबे की प्लेटें मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को सौंपी गई थीं। आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान आरोपियों ने मंदिर का सोना अवैध रूप से निकाल लिया।

हिरासत आवेदन में एसआईटी ने बताया कि आरोपी पंकज भंडारी ने इस काम के बदले शुल्क के रूप में 109.243 ग्राम सोना लेने की बात स्वीकार की, जिसे उसने 25 अक्टूबर 2025 को जांच टीम को सौंपा। उसने बताया कि सोने की परत चढ़ाने की प्रक्रिया के दौरान जो सोना निकाला गया था, वह आरोपी गोवर्धन को सौंपा गया था।

गोवर्धन ने 24 अक्टूबर 2025 को एसआईटी के समक्ष 474.960 ग्राम सोना पेश किया और दावा किया कि यह वही मात्रा है जो उसे 2019 में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी से प्राप्त हुई थी। हालांकि, एसआईटी ने कहा कि जांच से पता चला है कि मूर्तियों, स्तंभों और गर्भगृह के चौखटों पर लगी सोने की परत वाली तांबे की प्लेटों में सोने की मात्रा, भंडारी और गोवर्धन द्वारा पेश किए गए सोने की तुलना में कहीं अधिक थी।

एसआईटी ने अब तक इस मामले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से जुड़े त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के दो पूर्व अध्यक्षों सहित 10 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। केरल उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त एसआईटी को इस महीने तक जांच पूरी करने की समय सीमा दी गई है। इस बीच, एसआईटी द्वारा संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) संयोजक अडूर प्रकाश से हुई पूछताछ की खबरों ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उच्च न्यायालय को एसआईटी में दो नए अधिकारियों को नियुक्त करने के फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए।

ऑटो रिक्शा चालक की चाकू मारकर हत्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु में बृहस्पतिवार तड़के एक अज्ञात व्यक्ति ने 36 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान रेचन्ना पी. के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में मृतक के करीबी रिश्तेदार और फूल विक्रेता गिरीश एस (43) ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, एक जनवरी की देर रात करीब 12.19 बजे, शिकायतकर्ता को उसके दोस्त चंद्रशेखर उर्फ चंद्रू का फोन आया जिसने उसे बताया कि रेचन्ना की उसके घर के सामने अज्ञात लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी है।

पुलिस ने बताया कि जब शिकायतकर्ता मौके पर पहुंचा तो उसने बेंगलूरु के केपी अग्रहारा थाने के नंदम सर्किल के पास भुवनेश्वरी नगर स्थित अपने घर के सामने गलियारे में रेचन्ना को खून से लथपथ मृत पाया। पुलिस ने बताया, प्रारंभिक जांच में छाती और पीठ के बाईं ओर धारदार हथियार से किए गए घावों के निशान मिले हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा, शिकायतकर्ता को संदेह है कि अज्ञात व्यक्तियों ने पुरानी रंजिश के कारण धारदार हथियार से रेचन्ना की हत्या की और उसने दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि हत्या के कारण का पता लगाने और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए मामले की जांच जारी है।

बीईएल को 569 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले

बेंगलूरु। नवरत्न रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने 29 दिसंबर को किए गए पिछले खुलासे के बाद से 569 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऑर्डर हासिल किए हैं। प्राप्त प्रमुख ऑर्डरों में संचार उपकरण, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, तत्काल अग्नि पहचान एवं शमन प्रणाली, अपग्रेड, स्पेयर पार्ट्स, सेवाएं आदि शामिल हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नववर्ष के दिन राजस्थान के मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के प्रमुख मंदिरों में वर्ष 2026 के पहले दिन बृहस्पतिवार को प्रार्थना करने और नववर्ष के लिए आशीर्वाद लेने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अधिकारियों और मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, राज्य की राजधानी जयपुर सहित सीकर, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़ और अन्य जिलों के प्रसिद्ध मंदिरों के बाहर सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। उन्होंने बताया कि जयपुर में गोविंद देवजी मंदिर और मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भारी भीड़ रही, जहां श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही कतार में लगे थे। मंदिरों जाने वाले वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण बड़ी चौपड़ के आसपास यातायात जाम की स्थिति बनी रही।

अधिकारियों ने बताया कि सीकर स्थित खाटू श्यामजी मंदिर के कपाट खुले रहे ताकि श्रद्धालु निरंतर दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि दिन भर में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के दर्शन करने की उम्मीद है उन्होंने यह भी बताया कि अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के साथ सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और रिंगस तथा खाटू के बीच 17 किलोमीटर के क्षेत्र को दो जनवरी तक वाहन निषेध क्षेत्र घोषित किया गया है। चित्तौड़गढ़ में श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही सांवरिया सेठ मंदिर पहुंचने लगे, वहीं बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ देखी गई। त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के प्रबंधक जागेश पंचाल ने बताया कि श्रद्धालु बुधवार रात से ही आने लगे थे और वे विशेष व्यवस्थाओं के बीच सुबह की आरती में शामिल हुए। इसी तरह, सवाई माधोपुर में हजारों श्रद्धालु त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे मंदिर तक जाने वाली सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। चुरू स्थित सालासर बालाजी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। यहां रात एक बजे मंदिर के पट खोले गए और दर्शन की अनुमति दी गई। पुजारी कमल किशोर ने बताया कि मंदिर प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्था की है, जबकि पुलिस और स्वयंसेवकों ने यातायात को सुचारू रखने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

शहर के आराध्य देव श्री गोविंद देवजी मंदिर में गुरुवार सुबह 4 बजे मंगला आरती के साथ नए साल की शुरुआत हुई। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देर रात से ही लगनी शुरू हो गई थीं। जयपुर ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य जिलों और देश-विदेश से आए भक्तों ने ठाकुरजी के दर्शन किए। सुबह से ही मंदिर परिसर 'जय श्री राधे' के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा। प्रवेश और निकासी मार्गों पर विशेष इंतजाम किए गए, वहीं पुलिस और स्वयंसेवकों ने भीड़ नियंत्रण में सहयोग किया। नववर्ष के अवसर पर गोविंद देवजी का विशेष श्रृंगार किया गया। ठाकुरजी को सुनहरी पोशाक धारण कराई गई और दिनभर अलग-अलग समय पर झांकियों के दर्शन कराए गए। भक्तों ने मंगल आरती में शामिल होकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मोती डूंगरी स्थित श्री गणेश मंदिर में भी नववर्ष पर भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। गणेशजी को विशेष रूप से सोने का मुकुट पहनाया गया। मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि इस बार पारंपरिक 56 भोग की जगह 56 प्रकार के लड्डुओं का विशेष भोग लगाया गया है। इनमें बेसन, मोतीचूर, नारियल, रवा-सूजी, आटा, मेवा, मलाई, पिस्ता, सीताफल, वनीला, स्ट्रॉबेरी, चूरमा, मूंग, ड्राई फ्रूट और गुलकंद के लड्डू शामिल हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दर्शन व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया। प्रवेश के लिए 7 और निकासी के लिए 8 लाइनें बनाई गईं। सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। नववर्ष के अवसर पर गोविंद देवजी और मोती डूंगरी गणेश मंदिर के आसपास भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया। ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों से वाहनों को निकाला, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस हेड कांस्टेबल 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नीमकाथाना। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सीकर जिले के पुलिस थाना सदर नीमकाथाना में तैनात हेड कांस्टेबल राजेश कुमार (एचसी नं. 171) को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर सीकर इकाई द्वारा यह कार्रवाई की गई। एसीबी के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी सीकर को शिकायत मिली थी कि परिवादी के भाइयों के विरुद्ध दर्ज प्रकरण संख्या 406/2025 में उन्हें मुल्जिम नहीं बनाने की एवज में हेड कांस्टेबल राजेश कुमार द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी। आरोपी ने पहले 31 दिसंबर 2025 को 10 हजार रुपये रिश्वत के रूप में प्राप्त किए थे तथा शेष 10 हजार रुपये की मांग कर रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद 1 जनवरी 2026 को एसीबी ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

यह कार्रवाई एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस (तृतीय) राजेश सिंह के सुपरविजन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में सीकर इकाई द्वारा की गई। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

डंपर और कार की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने एक कार को टक्कर मार दी, जिसके कारण कार में सवार एक शिशु सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना दोपहर के आसपास बेगोद क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-758 (भीलवाड़ा-कोटा) पर घटी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित मंडलगढ़ से भीलवाड़ा की ओर एक इको कार में आ रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक डंपर ने बस को ओवरटेक करते समय उनकी कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में करोही निवासी नारायण (40) और उनके आठ महीने के बेटे नकुल की मौके पर ही मौत हो गई। बेगोद के थाना प्रभारी जय सुल्तान कविया ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए तीन व्यक्तियों को महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां कार चालक भानु प्रताप ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों को बाद में उदयपुर के एमबी अस्पताल में रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जाती है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। डंपर को जब्त कर लिया गया है और चालक की तलाश जारी है।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश, आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण पिछले 24 घंटों में राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, जयपुर और भरतपुर संभागों में बारिश हुई, जिसमें बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ में सबसे अधिक 26 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि अगले दो. तीन दिनों के दौरान राज्य के बड़े हिस्से में घना और कहीं पर बहुत घना कोहरा छा सकता है जिससे कुछ स्थानों पर दृश्यता 100 मीटर से नीचे गिर सकती है। विभाग के अनुसार, कोहरे के प्रभाव के कारण दिन के तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। इसके अलावा, चार से छह जनवरी के बीच शेखावाटी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है और कुछ छिटपुट स्थानों पर शीत लहर की स्थिति बन सकती है।

सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

जयपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जैसलमेर जिले में कथित तौर पर सीमा पार करके भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घुसपैठिए को नचना और नोख सेक्टर से लगे इलाके से पकड़ा गया। अधिकारियों ने कहा कि प्रथम दृष्टया घुसपैठिए के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने का संदेह है, हालांकि विस्तृत चिकित्सकीय जांच और संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) द्वारा पूछताछ के बाद ही उसकी वास्तविक स्थिति और पृष्ठभूमि की पुष्टि हो सकेगी। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, उस व्यक्ति ने खुद को राणा मोहम्मद असलम का बेटा इशरत (35) बताया। उसने बताया कि वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले का निवासी है। अधिकारियों ने बताया कि उसके पास पाकिस्तानी मुद्रा (नोट), एक चाकू और कुछ अन्य सामान बरामद हुए हैं। बीएसएफ ने जांच के लिए उसे नोख पुलिस थाने को सौंप दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं।

बैटरी की समस्या हल न होने पर चालक ने शोरूम के बाहर ई-रिक्शा में आग लगाई

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में ई-रिक्शा के एक चालक ने बैटरी की समस्या का समाधान न होने से नाराज होकर बजाज शोरूम के बाहर अपने वाहन में आग लगा दी। घटना सोमवार की है। मोहन नामक व्यक्ति ने ई-रिक्शा पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और घटना का वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उन्होंने बताया कि रिक्शा में बैटरी से संबंधित समस्या थी, जो बार-बार शिकायत करने के बावजूद हल नहीं हुई। इसलिए मोहन ने विरोध में गाड़ी जलाने का फैसला किया। इससे राहगीरों में दहशत फैल गई, हालांकि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई।

राजस्व अदालतों में मुकदमे सुनवाई के पैटर्न में बदलाव : घर से दर्ज होंगे राजस्व मुकदमे, पक्षकार और वकील करेंगे ऑनलाइन पैरवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्व अदालतों में मुकदमों की सुनवाई के पैटर्न में बदलाव किया गया है। बदले पैटर्न के बाद अब घर बैठे ही मुकदमे दर्ज किए जा सकेंगे, वहीं पक्षकार और वकील ऑनलाइन पैरवी कर सकेंगे। पूर्व में राजस्व मुकदमों की सुनवाई सामान्यीकृत न्यायालय प्रबंधन प्रणाली (जीसीएमएस) पैटर्न पर होती थी, जिसे अब राजस्थान रेवेन्यू कोर्ट मॉडर्नाइजेशन सिस्टम (आरआरसीएमएस) लागू कर दिया गया है। फिलहाल इस नई व्यवस्था की शुरूआत प्रदेश की सौ एसडीओ कोर्ट से की गई है, जिसे नए साल के अप्रैल तक प्रदेश के 1700 राजस्व अदालतों में लागू कर दिया जाएगा। नई व्यवस्था में हर रोज की सुनवाई, केस की प्रोसिडिंग स्टेटस और तारीख पर सुनवाई और कार्रवाई तथा फैसला ऑनलाइन देखा जा सकेगा। इससे मुकदमों की सुनवाई प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। आमजन एवं अधिवक्ता की ओर से राजस्व वाद को ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिलेगी। राजस्व मुकदमे के लिए पेपरलेस सुविधा उपलब्ध होगी। नोटिस तामील एवं मिसल में लगने वाले समय में कमी आएगी।

नई व्यवस्था में मुकदमों की ई-फाइलिंग होगी। संबंधित पक्षकार को ई-नोटिस जारी होने के बाद फाइल ऑनलाइन ही चलेगी। मुकदमों की वर्चुअल सुनवाई होगी। अधीनस्थ अदालतों से मुकदमों की फाइल ई-तलब से मंगवाई जाएंगी। कामकाज में पारदर्शिता आएगी। अर्जेंट हियरिंग, किसी पक्षकार की मौत होने जानकारी, वारिसान को जोड़ने सहित अन्य जानकारी दोनों पक्षों को ऑनलाइन मिल सकेगी। मुकदमा दायर करने के दौरान दस्तावेज की कमी की जानकारी भी ऑन लाइन मिल सकेगी। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में यह व्यवस्था लागू है। उदयपुर के पर्यावरण, झील, मास्टर प्लान तथा स्मार्ट सिटी के प्रकरणों की सुनवाई होती है लेकिन संबंधित पक्ष उदयपुर से ही ऑनलाइन प्रणाली से ही अपने मुकदमे की पैरवी करते हैं। सुनवाई के बाद निर्णय भी ऑनलाइन उपलब्ध हो जाता है। इसमें मुकदमे की जानकारी, कॉजलिस्ट, अंतरिम आदेश की प्रति तथा अंतरिम आदेश की प्रति प्राप्त की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को डीग स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की प्रगति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। शर्मा ने सपरिवार श्रीनाथ जी महाराज का पंचामृत अभिषेक किया। उन्होंने दूध, दही, घी, शहद और शर्करा से श्रीनाथजी का अभिषेक किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए अनुष्ठान में श्रीनाथ जी के मुकुट मुखारबिंद का विशेष श्रृंगार और पूजन किया। इससे पहले उन्होंने जतिपुरा पर संत-साधुओं को भोजन प्रसादी भी ग्रहण करवाई।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित पक्षी-घर का विधिवत उद्घाटन किया।

राजस्थान में मावठ का असर: बीकानेर में ओलावृष्टि, चित्तौड़गढ़ में तेज बारिश; जयपुर में सीजन की पहली मावठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में नए साल की शुरुआत मावठ, बारिश और ओलावृष्टि के साथ हुई है। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के सक्रिय होने से प्रदेश के कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली है। बुधवार देर रात से लेकर गुरुवार सुबह तक बीकानेर, चित्तौड़गढ़, जयपुर, अजमेर, सीकर समेत कई इलाकों में बारिश हुई, जबकि बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि ने कड़ाके की सर्दी लौटा दी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी जयपुर और भरतपुर संभाग के जिलों में बारिश की संभावना जताते हुए शीतलहर और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। राजधानी जयपुर में गुरुवार सुबह सीजन की पहली मावठ दर्ज की गई। सुबह हल्की से मध्यम बारिश के कारण शहर की सड़कों पर पानी नजर आया और ठंड में इजाफा हो गया। वहीं चित्तौड़गढ़ में सुबह करीब 5 बजे आधे घंटे तक तेज बारिश हुई, जिससे जनजीवन प्रभावित रहा। अजमेर और आसपास के इलाकों में भी रुक-रुककर बरसात होती रही।

बीकानेर जिले में बुधवार देर रात ग्रामीण क्षेत्रों में करीब आधे घंटे तक ओलावृष्टि हुई। ओले गिरने के बाद तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई और लोगों को तेज सर्दी का सामना करना पड़ा। किसानों के अनुसार ओलावृष्टि से कुछ जगहों पर फसलों को नुकसान की आशंका है, हालांकि अधिकांश क्षेत्रों में हल्की मावठ से रबी की फसलों को फायदा होने की उम्मीद जताई जा रही है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, फलोदी, बाड़मेर और जैसलमेर में भी बुधवार को बादल छाए रहे और कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। आसमान में बादल छाने और दिनभर धूप नहीं निकलने से दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर सहित कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। राजधानी जयपुर में बुधवार को अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस

दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी कम है। ठंडी हवाओं और बारिश के कारण दिन में भी सर्दी का असर बना रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि बादल और बारिश के चलते आने वाले एक-दो दिनों तक तापमान में और गिरावट हो सकती है। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर और अलवर जिलों में गुरुवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे का असर दोपहर तक बना रहा और धूप कमजोर रही। इसके कारण इन जिलों में सुबह-शाम ही नहीं, बल्कि दिन में भी तेज सर्दी महसूस की गई।

मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में शीतलहर चलने की चेतावनी दी है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले 24 घंटे तक बादल छाए रह सकते हैं और कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। इसके बाद मौसम साफ होने पर न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की आशंका है, जिससे सर्दी और बढ़ सकती है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक सीजन की इस पहली मावठ से गेहूं, चना, सरसों जैसी रबी फसलों को लाभ मिलेगा, क्योंकि इससे खेतों में नमी बढ़ी है। हालांकि जिन क्षेत्रों में ओलावृष्टि हुई है, वहां नुकसान का आकलन किया जा रहा है। कुल मिलाकर राजस्थान में नए साल की शुरुआत ठंड, बारिश और ओलावृष्टि के साथ हुई है। मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। आने वाले दिनों में मौसम के तेवर सख्त बने रहने की संभावना है।

राजसमंद में सड़क हादसे में कार में जिंदा जली एक साल की बच्ची

राजसमंद । जिले के आमेट थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक साल की मासूम बच्ची की जिंदा जलकर मौत हो गई। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसके बाद उसमें आग लग गई। हादसे में बच्ची के माता-पिता, बड़ी बहन और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा बुधवार रात करीब 10 बजे हुआ। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें रेलमगरा निवासी विकास जैन (32), उनकी पत्नी राजेश्वरी जैन, उनकी दो बेटियां धनिष्ठा (4) और प्रनिधि (1), तथा ड्राइवर कालूराम शामिल थे। हादसे के बाद कार में कुछ ही सेकेंड में आग लग गई, जिससे अंदर बैठे लोग बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आग के बीच से सभी को बाहर निकाला। हालांकि, एक साल की मासूम प्रनिधि को बाहर निकालने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परिवार कार में बुरी तरह फंसा हुआ था और रेस्क्यू में करीब एक घंटे का समय लगा। हादसे में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घायलों को राजसमंद के आर.के. जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजेश्वरी जैन के पैर में फ्रैक्चर है, वहीं विकास जैन की जीभ गंभीर रूप से कट गई है। ड्राइवर और चार साल की बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

पुष्पाजंलि

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को विधान सभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्वर्गीय समर्थ लाल मीणा को उनकी जयंती पर पुष्पाजंलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय मीणा 24 जुलाई 1998 से 03 जनवरी 1999 तक राजस्थान विधान सभा के 12वें अध्यक्ष रहे।

राजस्थान में पंचायत चुनाव की टाइमलाइन तय, मार्च में चुनाव संभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने की दिशा में राज्य निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग ने संकेत दिए हैं कि मार्च 2026 में ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के चुनाव कराए जा सकते हैं। इसी क्रम में निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव के लिए वोटर लिस्ट अपडेट करने का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है और सभी जिला कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश भेज दिए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने कलेक्टरों को भेजी गई गाइडलाइन में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 15 अप्रैल से पहले कराना अनिवार्य है। इसी समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए आयोग ने वोटर लिस्ट के अद्यतन का काम तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टरों को मतदान केंद्रों (पोलिंग बूथ) के गठन और वोटर लिस्ट के सत्यापन को लेकर भी स्पष्ट गाइडलाइन दी गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने युवाओं को बड़ी राहत देते हुए यह निर्णय लिया है कि 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा भी पंचायत चुनाव में मतदान के पात्र होंगे। आयोग ने निर्देश दिए हैं कि वोटर लिस्ट के अपग्रेडेशन कार्यक्रम के दौरान दावे और आपत्तियों की अवधि में ऐसे युवाओं की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएं। इससे बड़ी संख्या में नए मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने का रास्ता खुलेगा।

पंचायत चुनाव के लिए वोटर लिस्ट तीन स्तरों पर तैयार की जाएगी। सबसे पहले ग्राम पंचायत की वार्डवार वोटर लिस्ट बनेगी। इसके बाद पंचायत समिति और जिला परिषद के लिए भी अलग-अलग वार्डवार मतदाता सूचियां तैयार की जाएंगी। राज्य निर्वाचन आयोग विधानसभा स्तर पर तैयार वोटर लिस्ट के डेटाबेस को स्टेट लेवल एजेंसी के सॉफ्टवेयर के माध्यम से लेकर उसे ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद के अनुसार विभाजित कर अपडेट करेगा। विधानसभा वार वोटर लिस्ट का डेटा लेने और उसे पंचायत चुनाव के अनुरूप तैयार करने को लेकर 2 जनवरी को राज्य निर्वाचन आयोग ने अधिकारियों की ट्रेनिंग भी निर्धारित की है। इस ट्रेनिंग में तकनीकी और प्रक्रियात्मक पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।

राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि पंचायत चुनाव में वार्डों के गठन के दौरान चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाएगा। आयोग के अनुसार एक पोलिंग बूथ पर 1100 से अधिक मतदाता नहीं होने चाहिए। चूंकि पंचायत के एक वार्ड में औसतन 300 से 400 मतदाता होते हैं, ऐसे में एक बूथ पर एक से अधिक वार्ड के मतदाता मतदान करेंगे। वार्डवार वोटर लिस्ट तैयार होने के बाद उसका भौतिक सत्यापन कराया जाएगा।

प्रयागराज से काशी, अयोध्या, मथुराः

आस्था कॉरिडोरों ने 2025 में बदला यूपी का पर्यटन परिदृश्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। महाकुंभ 2025 में प्रयागराज धार्मिक-आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा, जहां देश के कोने-कोने से करोड़ों श्रद्धालु पहुंचे। प्रयागराज पहुंचे श्रद्धालुओं में से बड़ी संख्या में लोगों ने काशी (वाराणसी), अयोध्या, मथुरा समेत राज्य के अन्य धार्मिक स्थलों की भी यात्रा की।

भव्य आयोजन से पहले ही प्रयागराज धार्मिक पर्यटन का अहम केंद्र बन चुका था, और उसके बाद से यहां श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनी हुई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ से श्रद्धालुओं की आवाजाही कुछ समय के लिए प्रभावित हुई थी, हालांकि यह असर केवल कुछ दिनों तक ही रहा।

सरकार ने भगदड़ में 30 लोगों की मौत की घोषणा की थी, जो बाद में बढ़कर 37 हो गई। हालांकि, दहशत पर आस्था भारी पड़ी और इसके बाद राज्य में धार्मिक पर्यटन के सबसे तीव्र दौर की शुरुआत हो गई। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद जब गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तभी से हिंदुत्व के एजेंडे पर सरकार का झुकाव और धर्म स्थलों के उन्नयन की दिशा में तेजी दिखी। प्रदेश में मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार का सिलसिला शुरू हुआ और श्रद्धालुओं की आमद भी बढ़ी।

वर्ष 2019 में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से इसकी लोकप्रियता और बढ़ गई। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज फहराया। वर्ष 2017 से अयोध्या का एक और प्रमुख आकर्षण वार्षिक दीपोत्सव रहा है, जिसने सरकार के अनुसार 2025 में दो नए विश्व रिकॉर्ड बनाएसबसे अधिक दीपों की सजावट और एक साथ सबसे ज्यादा लोगों द्वारा आरती करने का।

दिसंबर 2021 में मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का उद्घाटन किया था, जिससे मंदिर को गंगा नदी के किनारे स्थित घाटों से जोड़ा गया। इसके साथ ही अयोध्या में राम मंदिर ने 2025 में प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को इन तीन पवित्र स्थलों तक अपनी तीर्थयात्रा की योजना बनाने के लिए प्रेरित किया। भगवान कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा-वृंदावन के आकर्षण ने इस दायरे को और विस्तारित किया।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच आयोजित महाकुंभ के दौरान ही प्रयागराज में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या, काशी और मथुरा में नए साल के जश्न के लिए दिसंबर के अंतिम सप्ताह से ही पर्यटकों की भीड़ जुटने लगी थी, जिसके चलते पुलिस-प्रशासन को अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम करने पड़े।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में कुल पर्यटक 64.91 करोड़ से अधिक आए जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 23.64 लाख से ज्यादा थी। वहीं, वर्ष 2025 में महज़ छह माह के भीतर (जनवरी से जून तक) कुल पर्यटकों की संख्या 121.81 करोड़ से अधिक रही। इनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 33 लाख से ज्यादा थी।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक भ्रमण वाले राज्यों में से एक बनकर उभरा, जहां वर्ष 2025 में 137 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटक आए और विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी लगातार वृद्धि दर्ज की गई। इसमें उप्र के धर्म स्थलों का बड़ा योगदान रहा। अयोध्या का दीपोत्सव, वाराणसी की देव दीपावली, मथुरा में बरसाने की होली जैसे पर्व भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करने की वजह बने।

जनवरी से जून तक छह माह के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मथुरा आने वाले पर्यटकों की संख्या 03.37 करोड़ से अधिक थी जबकि इस अवधि में काशी पहुंचे पर्यटकों की संख्या 12.96 करोड़ से ज्यादा रही। इस अवधि में अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं की संख्या- 23.82 करोड़ से अधिक हो गई। जुलाई माह में उत्तर प्रदेश कांवड़ यात्रियों की आस्था से सराबोर रहा। एक आधिकारिक अनुमान के मुताबिक सात करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने विभिन्न शिव मंदिरों में कांवड़ यात्रा के दौरान जलाभिषेक किया।

हरदोई में ईंट से शिवलिंग को पहुंचाया नुकसान, ग्रामीण नाराज

हरदोई/भाषा। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक शिव मंदिर में कथित तौर पर ईंट से वार कर शिवलिंग को नुकसान पहुंचाने की घटना से तनाव फैल गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

पुलिस क्षेत्राधिकारी हरियांवा अजीत सिंह ने बताया कि शिवलिंग अपने स्थान से खिसक गया था और मन्दिर प्रबंधन ने शिवलिंग को ठीक करा दिया है। स्थानीय लोगो के मुताबिक, बुधवार रात पिहानी के मोहल्ला छीपीटोला स्थित शिव मंदिर फुलवारी बगिया में किसी ने ईंट फेंकी थी, जिसके कारण शिवलिंग अपने स्थान से हट गया। ग्रामीणों को कहना है कि शिवलिंग को नुकसान पहुंचा कर लोगों की धार्मिक आस्था को चोंट पहुंचाई गई है। पुलिस फिलहाल सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है और लोगों से पूछताछ कर रही है।

लालू के खिलाफ भूमि मामलों पर सरकार ले सकती है संज्ञान : विजय सिन्हा

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद के कथित अवैध भूमि स्वामित्व से जुड़े मामलों पर संज्ञान ले सकता है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के मुख्य प्रवक्ता और विधान परिषद के सदस्य नीरज कुमार ने सरकार से लालू प्रसाद की कथित संपत्तियों की जांच कराने की मांग की थी, जिसके बाद सिन्हा का यह बयान आया है।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का प्रभार संभाल रहे सिन्हा ने कहा, अगर इस संबंध में जन कल्याण संवाद में कोई आवेदन आता है, तो हमारे अधिकारी हमारी सरकार निश्चित रूप से इस पर संज्ञान लेगी। वह जदयू प्रवक्ता की मांग पर कार्रवाई किए जाने से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। सिन्हा हाल के दिनों में बिहार के कई जिलों में 'भूमि सुधार जन कल्याण संवाद' कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इन बैठकों में विभागीय अधिकारी और भूमि से संबंधित समस्याओं से जूझ रहे लोग उनकी मौजूदगी में अपनी शिकायतें रखते हैं ताकि उनका त्वरित समाधान किया जा सके। हालांकि, हाल ही में इन जन सुनवाइयों के दौरान विभागीय अधिकारियों के खिलाफ कथित रूप से इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर सिन्हा को अधिकारियों की आलोचना का सामना करना पड़ा है। बिहार राजस्व सेवा संघ (बिरसा) ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर उपमुख्यमंत्री के आचरण की शिकायत की है। पत्र में दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री की टिप्पणियों से न केवल राज्य के राजस्व प्रशासन की गरिमा को गहरी ठेस पहुंची है, बल्कि पूरे सेवा संवर्ग को जानबूझकर सार्वजनिक उपहास और आक्रोश का विषय बना दिया गया है। सिन्हा ने इस संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बृहस्पतिवार को कहा कि वह जन कल्याण संवाद की बैठकें जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, जब तक मैं यहां हूं, तब तक माफियाओं के खिलाफ काम करता रहूंगा। नेतृत्व ने मुझे जनता की सेवा का अवसर दिया है और मैं इसे जारी रखूंगा।

छात्र-छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को छात्र-छात्राओं का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर क्षेत्र) दिनेश कुमार ने बताया कि आरोपी नवल किशोर (56) को बुधवार शाम गिरफ्तार किया गया और उस पर आरोप है कि वह बच्चों को वीडियो और तस्वीरें दिखाकर कथित तौर पर अश्लील हरकतें करता था। उन्होंने बताया कि बेलघाट थानाक्षेत्र स्थित एक प्राइमरी स्कूल में तीसरी और चौथी कक्षा के कुछ बच्चों ने अपने माता-पिता को बताया कि शिक्षक नवल किशोर ग्रह कार्य को जांचने के बहाने उन्हें अकेले में बुलाकर अपने मोबाइल फोन पर आपत्तिजनक चीजें दिखाता था और फिर उन्हें गलत तरीके से छूता था। कुमार ने बताया कि अगर बच्चे विरोध करते या इस मामले का खुलासा करते तो वह उन्हें मारने-पीटने की धमकी देता था। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया।

देश के अन्य हिस्सों के लोगों को पूर्वोत्तर के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश के अन्य हिस्सों के लोगों को पूर्वोत्तर भारत के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि देहरादून में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा की हत्या जैसी घटनाओं को रोका जा सके।

शर्मा ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि अगर आरोपियों को कड़ी सजा दी जाती है तो इससे पूरे देश को एक कड़ा संदेश मिलेगा और उम्मीद है कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। शर्मा ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों को अपनी भारतीयता पर गर्व है और देश के बाकी हिस्सों के लोगों को इस क्षेत्र और यहां के लोगों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों और भारत के बाकी हिस्सों के लोगों के बीच अधिक संवाद होना चाहिए। शर्मा ने कहा कि युवा छात्र की मौत 'वास्तव में दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण' है। हम इस घटना की निंदा करते हैं और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है और हम आशा करते हैं कि ऐसा दोबारा नहीं हो।

असम चुनाव में अस्मिता और विकास ही मुख्य मुद्दे होंगे : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में 'अस्मिता' और 'विकास' ही मुख्य मुद्दे होंगे।

शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि अवैध प्रवासियों की पहचान की जाए और उन्हें राज्य से बाहर निकाला जाए। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, अगर स्थानीय स्वदेशी आबादी के हितों की रक्षा नहीं की गई, तो राज्य में विकास का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा।

उन्होंने कहा, अब नरमी बरतने की कोई गुंजाइश नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि एक बार जब किसी व्यक्ति की पहचान विदेशी के रूप में हो जाती है, तो उपायुक्त उस व्यक्ति को देश छोड़ने का आदेश दे सकते हैं। शर्मा ने विश्वास जताया कि राज्य में हो रहे विकास कार्य जारी रहेंगे और उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर व्यक्ति को इनका लाभ मिले। उन्होंने यह भी कहा कि नए साल पर उनका संकल्प राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी सुनिश्चित करना है।

नव वर्ष पर राम मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ की वजह से राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी मंदिरों में वीआईपी दर्शन बंद करने पड़े तथा मंदिर प्रबंधन को स्थानीय लोगों से अपनी यात्रा टालने का अनुरोध करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं का लगातार आगमन राम मंदिर के महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आकर्षण को दर्शाता है और इसके साथ ही यहां आने वाले आगंतुकों की संख्या 2025 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 नवंबर को 22 फुट की धार्मिक ध्वजा फहरा कर ध्वज आरोहण का अनुष्ठान संपन्न किया था।

अधिकारियों के अनुसार, नए साल और प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी सालगिरह से जुड़े समारोहों व अनुष्ठानों के लिए लाखों श्रद्धालु मंदिर शहर में उमड़ पड़े। उन्होंने बताया कि समारोह के मद्देनजर ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी से नजर, वाहनों की गहन जांच और सुरक्षा बलों की तैनाती कर सतर्कता बढ़ा दी गई। अधिकारियों के मुताबिक, कानून व्यवस्था और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शहर को कई जोन में बांट दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) सी. पी. त्रिपाठी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शहर के अंदर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया और कुल 36 पार्किंग स्थल बनाए गए। उन्होंने बताया कि होल्डिंग एरिया भी बनाए गए हैं, जहां जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को रोका जाएगा और चरणबद्ध तरीके से दर्शन के लिए भेजा जाएगा। त्रिपाठी ने बताया कि प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर वीवीआईपी यात्राओं के संबंध में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि अयोध्या शहर को पांच जोन और 10 सुरक्षा सेक्टरों में बांटा गया है तथा स्थल-वार नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं, जो हर गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। त्रिपाठी के मुताबिक, राम मंदिर के अलावा, नागेश्वरनाथ, हनुमानगढ़ी, कनक भवन, रामपथ और घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जोन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारियों को नोडल अधिकारी और सेक्टरों में पुलिस उपाधीक्षक को तैनात किया गया है।

शहद उत्पादन से जीविका दीदियां बन रहीं आत्मनिर्भर, हर साल हो रहा करोड़ों रुपए का कारोबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में हजारों 'जीविका' दीदियां मधुमक्खी पालन के जरिए आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवसाय से वे न केवल लाखों रुपए की आमदनी कर रही हैं बल्कि राज्य में तैयार शहद के स्वाद को देश-विदेश तक पहुंचा रही हैं।

ग्रामीण विकास मंत्री ने विभागीय कक्ष में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वर्ष 2009 में मुजफ्फरपुर जिले में प्रायोगिक परीक्षण के रूप में 'जीविका' दीदियों द्वारा शुरू किया गया मधुमक्खी पालन आज राज्य के 20 जिलों तक फैल चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 90 प्रखंडों में 11,855 महिलाएं मधुमक्खी पालन से जुड़ी हैं और हर वर्ष 10 से 12 करोड़ रुपए तक के शहद का उत्पादन कर रही हैं।

कुमार ने कहा कि इससे प्रति महिला को औसतन प्रति माह करीब 10 हजार रुपए तक की आमदनी घर बैठे हो रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य में 'जीविका' दीदियों के हाथों शहद उत्पादन का कार्य तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं द्वारा उत्पादित शहद को हिमाचल प्रदेश की एक कंपनी में प्रोसेसिंग और पैकेजिंग के लिए भेजा जाता है, जिसके बाद यह शहद देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेशों में भी निर्यात किया जा रहा है। कुमार ने कहा कि मधुमक्खी पालन के माध्यम से शहद उत्पादन का व्यवसाय मिलने से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक सहज और स्थायी मार्ग तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

घने कोहरे के कारण भुवनेश्वर हवाईअड्डे पर विमान सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (बीपीआईए) पर बृहस्पतिवार सुबह घने कोहरे के कारण विमान सेवाएं बाधित रहीं। एक हवाई अड्डा अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे रनवे पर दृश्यता कम होने के कारण कई उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन करना पड़ा और कई उड़ानों में देरी हुई, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा।

बीपीआईए के निदेशक प्रसन्न प्रधान ने बताया कि विमान परिचालन के लिए दृष्यता लगभग 550 मीटर होनी चाहिए। आज सुबह करीब साढ़े छह बजे दृष्यता गिरकर 50 मीटर रह गई, जिसके कारण पांच उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा। इनमें से दो उड़ानों को कोलकाता और तीन को रायपुर भेजा गया। उन्होंने बताया कि मार्ग परिवर्तित की गई उड़ानों में तीन नई दिल्ली से, एक बेंगलुरु से और एक चेन्नई से आई थीं।

प्रधान ने बताया कि इसी तरह, भुवनेश्वर से देहरादून की एक उड़ान और जयपुर, उत्केला व जमशेदपुर जाने वाले छोटे विमानों की उड़ानों में भी कोहरे के कारण देरी हुई।

निदेशक ने कहा कि सुबह 10:30 बजे के बाद दृश्यता के स्तर में सुधार हुआ और कोलकाता भेजी गई एक उड़ान यहां पहुंच चुकी है। इसके बाद विमान सेवाओं का परिचालन सामान्य हो गया।

प्रधान ने बताया कि उड़ानों में देरी से प्रभावित यात्रियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस सीजन में यह दूसरा दिन था जब भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर कोहरे के कारण विमान परिचालन प्रभावित हुआ।

विश्व कप 2027 के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंतित हूंः अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 2027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर संशय जताते हुए कहा कि तेजी से बढ़ती टी20 लीग और आईसीसी द्वारा हर साल किसी बडे टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के कारण अत्यधिक क्रिकेट की वजह से यह प्रारूप अपनी जगह खो चुका है।

अश्विन का मानना है कि टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखने के चलते वनडे क्रिकेट लगभग गैर जरूरी सा हो गया है। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' में कहा, ''2027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट का भविष्य क्या होगा, इसको लेकर मैं निश्चित नहीं हूं। मैं इसे लेकर थोड़ा चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन जिस तरह मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। '' उन्होंने कहा, ''हमें यह भी समझना होगा कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है, लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है। ''

सभी प्रारूपों में 765 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का कहना है कि किसी खेल को दर्शकों से जोड़ने के लिए स्टार खिलाड़ियों की जरूरत होती है और इसके लिए उन्होंने हाल में रोहित शर्मा और विराट कोहली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में खेलने से उमड़ी दर्शकों की भीड़ का उदाहरण दिया। इन दोनों खिलाड़ियों के

नाम मिलाकर 86 वनडे शतक हैं। उन्होंने कहा, ''देखिए, रोहित और विराट जब विजय हजारे ट्रॉफी खेलने आए तो लोगों ने इसे देखना शुरू किया। हमें पता है कि खेल हमेशा खिलाड़ियों से बड़ा होता है, लेकिन कई बार खेल को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इन खिलाड़ियों (रोहित और विराट) की वापसी की जरूरत होती है।'' अश्विन ने कहा, ''विजय हजारे ट्रॉफी एक घरेलू वनडे टूर्नामेंट है जिसे ज्यादा लोग नहीं देखते। लेकिन विराट और रोहित के खेलने की वजह से लोग इसे देखने पहुंचे। फिर सवाल यह है कि जब वे वनडे खेलना बंद कर देंगे, तब क्या होगा? ''

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार प्रारूप हुआ करता था जिससे महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए जो पारी को संभालना जानते थे। उन्होंने कहा, ''वनडे क्रिकेट कभी एक बेहतरीन प्रारूप था जिसने धोनी जैसा खिलाड़ी दिया जो 1015 ओवर तक सिर्फ एक एक रन लेकर पारी को संभालता था और अंत में विस्फोटक बल्लेबाजी करता था। अब ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं और अब वैसी बल्लेबाजी की जरूरत भी नहीं है क्योंकि अब दो नई गेंदें होती हैं और सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षक रहते हैं। '' उन्होंने कहा कि अब लगभग हर साल आईसीसी टूर्नामेंट होने का मुख्य कारण राजस्व बढ़ाना है जबकि 2025 के कैलेंडर में पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी और महिलाओं का वनडे विश्व कप शामिल था और 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों का टी20 विश्व कप होगा। उन्होंने कहा, ''वनडे प्रारूप अब गैरजरूरी सा हो गया है और आईसीसी जिस तरह से विश्व कप आयोजित कर रहा है, उसे इस पर भी ध्यान देने की दरकार है। हर साल राजस्व के लिए कोई आईसीसी टूर्नामेंट कराया जाता है। फीफा को देखिए। वहां अलग लीग होती हैं और विश्व कप चार साल में एक बार होता है। इसलिए विश्व कप का अपना अलग महत्व है।''

सुविचार

निरन्तर प्रयत्न ही जीवन का लक्षण है। जीवन के एक प्रयत्न या एक अंश की विफलता सपूर्ण जीवन की विफलता नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पर्यटकों की सुरक्षा सबकी जिम्मेदारी

नए साल पर दुनियाभर से बड़ी संख्या में पर्यटक भारत आते हैं। वे यहां के अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, स्वदेश लौटकर अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों और परिचितों को बताते हैं। अगर वे सुखद अनुभव लेकर जाते हैं तो इससे पर्यटन को और बढ़ावा मिलता है। हाल में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो चर्चा में रहे, जिनसे अच्छा संदेश नहीं गया। एक दक्षिण कोरियाई युवती ने छेड़छाड़ से परेशान होकर ऐसी टिप्पणी की, जिसे सुनकर कई विदेशी नागरिकों ने यहां आने का इरादा बदल दिया होगा। कुछ लोगों की गलत हरकतें पूरे देश की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। उनकी वजह से पर्यटन उद्योग को आर्थिक क्षति होती है। जब विदेशी नागरिक पर्यटन के लिए हमारे देश में आते हैं तो वे रोजगार के अनेक अवसरों का सृजन करते हैं। इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ता है और अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पर्यटकों को सुरक्षित महसूस कराए। ज्यादातर लोग ऐसा करते हैं। बस, कुछ खुराफाती तत्त्व हैं, जो पर्यटकों को परेशान करने में अपनी बड़ाई समझते हैं। उनकी उद्दंडता इसलिए भी बढ़ती जाती है, क्योंकि पहले ऐसी हरकतों की वजह से उनके खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई थी। अब सोशल मीडिया का ज़माना है, इसलिए पीड़ित पर्यटक या वहां मौजूद लोग वीडियो बनाकर पोस्ट कर देते हैं, जिससे घटना का पता चल जाता है और प्रशासन भी हरकत में आता है। पहले जब यह माध्यम नहीं था, तब कितने पर्यटकों को परेशान किया गया होगा?

विदेशी पर्यटकों, खासकर महिलाओं की शिकायत रहती है कि उन्हें लोग घूरते रहते हैं। कुछ लोग पास आकर सेल्फी लेना चाहते हैं। उनकी देखादेखी अन्य लोग आ जाते हैं। वे उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं। उन्हें विनम्रतापूर्वक मना करने पर भी पीछा नहीं छोड़ते। ऐसे वीडियो वायरल हो चुके हैं, जिनमें कोई व्यक्ति विदेशी पर्यटकों को अभद्र शब्दों से संबोधित करता दिखाई देता है। उसे भ्रम होता है कि उन्हें इनका मतलब नहीं मालूम होगा। पर्यटकों के फोन में कोई ऐप जरूर होता है, जिसकी मदद से वे ऐसे शब्दों का अपनी भाषा में मतलब जान सकते हैं। कई लोगों को और कुछ नहीं सूझता तो वे पर्यटक से रुपए मांगना ही शुरू कर देते हैं। जब पीछा छुड़ाना मुश्किल हो जाता है तो पर्यटक उन्हें एक-दो नोट देने में अपनी भलाई समझते हैं। ऐसे 'तेजस्वी' लोगों की कमी नहीं है, जो फिल्मों के आधार पर विदेशी नागरिकों के चाल-चलन के बारे में धारणा बना लेते हैं। सोशल मीडिया पर हास्य के नाम पर रूसी महिलाओं के बारे में बहुत गलत बातें प्रसारित की जा रही हैं। पिछले साल उदयपुर घूमने आई एक रूसी महिला को देखते ही किसी युवक ने उसके बारे में अभद्र टिप्पणी कर दी थी। महिला का पति भारतीय था, जिसने युवक के कृत्य पर आपत्ति जताई और मामला काफी चर्चा में रहा था। ऐसे अपराधियों को क्षमा करने का मतलब है- भविष्य में उन्हें और छूट देना। पुलिस को इनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसी मानसिकता रखने वाले अन्य लोगों को सबक मिले। विदेशी पर्यटक भारतीय खानपान को बहुत पसंद करते हैं। हालांकि उनकी एक शिकायत भी है। वे कहते हैं कि सफाई की ओर कम ध्यान दिया जाता है। इसे बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। पकवानों की रेहड़ी / दुकान पर हजारों या लाखों रुपए लगाने के बाद कुछ रुपए साफ-सुथरे दस्ताने खरीदने पर खर्च कर देंगे तो इससे कोई घाटा नहीं हो जाएगा। यह छोटा-सा निवेश ग्राहक का विश्वास जीतेगा और कमाई में भी बढ़ोतरी करेगा। स्वाद के साथ सफाई का ध्यान जरूर रखें।

ट्वीटर टॉक

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, राजस्थान की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती राखी राठौड़ जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में महिला मोर्चे को नई ऊर्जा, सशक्त दिशा और व्यापक विस्तार प्राप्त होगा।

-दिया कुमारी

गोवर्धन पहुँचकर गिरिराज जी महाराज के दिव्य मुकुट मुखारविंद में विधि-विधान सहित पूजा-अर्चना कर प्रभु का परम आशीर्वाद प्राप्त किया। गिरिराज जी महाराज के श्री चरणों में प्रदेश की सुख-समृद्धि,मंगलमय व आरोग्यमय जीवन की हृदय से कामना की।

-भजनलाल शर्मा

नववर्ष आपके जीवन में मान-सम्मान, यश, कीर्ति, सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति लेकर आए, मैं ईश्वर से यही कामना करती हूँ। हृदय के अत्यंत निकट मेरी कर्मभूमि झालावाड़-बारा के मेरे प्रिय परिवारजनों! मैं इस अवसर पर आप सबको भी नए साल की विशेष शुभकामनाएँ।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

शांति में समाधान

एक बार अब्राहम लिंकन के पास एक युवक आया। वह बहुत क्रोधित था। उसने कहा, 'मेरे सहकर्मी ने मेरा अपमान किया है। मैं उसे उसी तरह जवाब देना चाहता हूं।' लिंकन उसे अपने साथ खेत की ओर ले गए। वहां खेतों के बीच एक छोटा रास्ता था, जिस पर कीचड़ जमा था। थोड़ी देर बाद सामने से एक गाड़ी आती दिखी। रास्ता इतना संकरा था कि दोनों गाड़ियां साथ नहीं निकल सकती थीं। लिंकन ने पूछा, 'अगर दोनों चालक जिद करें कि पहले मैं निकलूंगा, तो क्या होगा?' युवक बोला, 'दोनों फंस जाएंगे।' लिंकन ने शांत स्वर में कहा, 'जीवन भी ऐसा ही रास्ता है। यदि हम हर बार अपनी जिद पर अड़े रहें, तो आगे बढ़ना कठिन हो जाता है। कभी-कभी पीछे हटना हार नहीं, समझदारी होती है। मैंने अपने जीवन में देखा है कि शांत रहकर समाधान ढूंढ़ने वाले लोग ही सच्चे विजेता होते हैं। क्रोध मन को भारी बनाता है और निर्णय को धुंधला कर देता है।' युवक का मन शांत हो गया। उसे समझ आया कि प्रतिशोध नहीं, संयम ही सम्मान दिलाता है।

सामयिक

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

नया साल 2026 अनेक आशाओं, अपेक्षाओं, उम्मीदों और संकल्पों के साथ हमारे सामने है। वर्ष 2025 जहाँ वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर इम्तिहान, अस्थिरता और इंतज़ार का साल रहा, वहीं 2026 से शांति, खुशहाली और प्रगति की बहाली की संभावना बनती दिख रही है। बीते वर्ष की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पुरानी समस्याओं के उत्तर पुराने तरीकों से नहीं मिल सकते। इसलिए 2026 में हमें बीते बस के सवालों के जवाब नए वक्त, नई सोच और नए विवेक में ढूंढने होंगे। यह वर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं, बल्कि सोच, दृष्टि और प्राथमिकताओं के पुनर्निर्धारण का अवसर है। यह वर्ष समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष बने, इसके लिये हमें तत्पर होना होगा, तैयारी करनी होगी।

दुनिया के मोर्चे पर देखें तो रूस-यूक्रेन और इज़राइल-फ़िलिस्तीन के युद्धों के अतिरिक्त भी कम-से-कम दस बड़े संघर्ष ऐसे हैं, जहाँ मानवता निरंतर घायल हो रही है। आतंकवाद, नस्ली विद्वेष, धार्मिक कट्टरता और सत्ता-लिप्सा ने इंसानी खून को सस्ता बना दिया है। वर्ष 2025 में यह रक्तपात थमा नहीं, पर नए साल में इन युद्धों, संघर्षों और आतंकवादी हरकतों से मुक्ति की आकांक्षा केवल भावनात्मक कामना नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिकता की अनिवार्यता बननी चाहिए। भारत, जिसने वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश विश्व को दिया है, शांति और संवाद की इस वैश्विक पहल में एक बार फिर नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्ष में दुनिया को जता दिये है कि वे वैश्विक नेतृत्व करने एवं दुनिया को उन्नत बनाने की भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत की अहिंसक सोच, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति एवं सकारात्मक मानवीय नजरिया दुनिया के लिये उपयोगी हो सकता है।

भारत के लिए 2026 कई अर्थों में निर्णायक वर्ष है। आंतरिक राजनीतिक चुनौतियाँ हों या वैश्विक दबाव, नए साल में हमें कड़वे और कभी-कभी हिंसक अनुभवों का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद बीते वर्षों की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत शांति, अहिंसा, सौहार्द और सद्भावना के दीप जलाने का संकल्प दोहराएगा। प्रधानमंत्री का यह कथन विशेष अर्थ रखता है कि जहाँ 2025 सुधारों की बात अर्थात भारत के रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार रहने का वर्ष था, वहीं 2026 से 2047 तक का कालखंड भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की निर्णायक यात्रा है। यह यात्रा केवल आर्थिक आँकड़ों की नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता की भी है। विभिन्न क्षेत्रों में किये जाने वाले सुधारों को प्रभावी बनाने के लिये यह अनिवार्य है कि राजनीति की ही भांति नौकरशाही के प्रत्येक स्तर पर सुधार हो। यह ठीक है कि केन्द्र सरकार से जुड़ी उच्च स्तर की नौकरशाही में बीते वर्षों में व्यापक बदलाव हुए है, लेकिन निचले स्तर पर उसका तौर-तरीका जस का तस है। सबसे चिन्ताजनक है कि नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कारण अनेक कार्य-योजनाओं का जैसा परिणाम आना चाहिए वैसा नहीं आ रहा है।

हालाँकि, यह स्वीकार करना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को लेकर जो वातावरण बन रहा है, उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। लोकतंत्र केवल चुनावों का आयोजन भर नहीं है; यह संवाद, असहमति के सम्मान, संस्थाओं की गरिमा और संविधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। संसद लोकतंत्र का मंदिर है, पर पिछले वर्षों में संसद की कार्रवाई का बार-बार अवरोधित होना, हंगामे और गतिरोध लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करते हैं। नए साल में यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि संसद अवरोध का मंच नहीं, बल्कि समाधान और विमर्श का केंद्र बने। सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोज़गार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा।

नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए।

भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं। साथ ही स्वदेशी' के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए।

सामाजिक जीवन में भी नए संकल्पों की आवश्यकता है। नशा, दिखावा और आडंबर हमारी सामाजिक ऊर्जा को खोखला करते हैं। सादगी, संयम और मूल्यबोध को प्रोत्साहित करना समय की माँग है। विवाह और सामाजिक संस्कारों को बाज़ारू प्रदर्शन से मुक्त कर मानवीय संबंधों की गरिमा से जोड़ना होगा। यही नहीं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जल-संरक्षण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व-ये सभी नए साल के अनिवार्य संकल्प होने चाहिए। तकनीक और परंपरा के संतुलन के बिना इक्कीसवीं सदी का भारत आगे नहीं बढ़ सकता। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है, पर इस प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विकास का सही अर्थ वही है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सम्मानित और सुरक्षित महसूस करे।

2026 में हमें बड़े बदलाव के लिए छोटे-छोटे लेकिन ठोस कदम उठाने होंगे। नए संकल्पों के पौधे रोपने होंगे, विकास एवं विवेक के नए स्वास्तिक' रचने होंगे-पर इसके लिए मौसम और माहौल दोनों बनाना पड़ेगा। सकारात्मक सोच, सामाजिक विश्वास और राजनीतिक सद्भाव-यही वह वातावरण है, जिसमें परिवर्तन के बीज फलते-फूलते हैं। तैयारी के बिना संकल्प खोखले रह जाते हैं; इसलिए नीति, नियत और नियोजन-तीनों का समन्वय अनिवार्य है। अंततः नया साल 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास अवसर देता है, पर दिशा हमें स्वयं तय करनी होती है। यदि हम शांति को प्राथमिकता, लोकतंत्र को आचरण और समाधान को संस्कृति बना लें, तो यह वर्ष केवल एक कैलेण्डर नहीं, बल्कि एक युगांतकारी मोड़ सिद्ध हो सकता है। भारत यदि अपनी आत्मा-अहिंसा, सहअस्तित्व और करुणा के साथ आगे बढ़ता है, तो 2026 न केवल हमारे लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आशा और प्रकाश का वर्ष बनेगा। दुनिया को नयी दिशा एवं दृष्टि देने में सक्षम होगा।

नजरिया

विनम्रता, सहजता के नेपथ्य में शक्तिशाली भारत की भूमिका

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है।

भारत की सहायता और विनम्रता एवं किसी देश पर पहले से आक्रमण न करने की नीति और सिद्धांत हमारी कमजोरी कतई नहीं है इसके पीछे 141 करोड़ भारतवासियों की बहुत बड़ी शक्ति तथा सामर्थ्य छिपा हुआ है।अब भारत एक ऊर्जावान शक्तिशाली आर्थिक रूप से मजबूत एवं दृढ़ भारत बन चुका है, अब भारत आक्रमण ही रक्षा की नीति को अपना कर आगे अग्रसर हो रहा है। कोई पड़ोसी देश इस मुगालते में न रहे कि भारत विनम्र है इसका मतलब कमजोर नहीं है अब भारत किसी भी आतंकी आतताई के सीमा क्षेत्र में घुसकर आक्रमण कर सकता है और उसे संपूर्ण नष्ट करने की ताकत भी रखता है। भारत की संस्कृति ऐतिहासिक काल से विनम्रता, सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए।

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है।

समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा, सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम, सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति 'अधजल गगरी छलकत जाए' की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही- बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर, पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर।

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फ़ल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता, सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है।

विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्रशील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा, ना द्वेष, ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है।

विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है, उसी तरह विनम्रता की शक्ति इतनी व्यापक होती है के पर्वत के समान कठोर बाधा भी दूर किसके सामने हो जाती है हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विनम्रता के साथ ब्रिटिश बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया था। विनम्रता और सहिष्णुता ही है जिसने हमारी भारतीय संस्कृति को हजारों वर्षों से शास्वत बना के रखा है। किसी व्यक्ति समाज और किसी राष्ट्र के लिए विनम्रता सहिष्णुता और विचार शीलता ऐसे महान गुण उसे विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार का अंतिम परीक्षण पूरा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे ने स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' का अंतिम चरण का हाई-स्पीड परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ आत्मनिर्भर रेल प्रौद्योगिकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा, ''रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की देखरेख में किया गया यह परीक्षण कोटा-नागदा खंड पर हुआ, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की।'' वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पूर्व में कई बार निर्धारित समय सीमा से चूक चुकी है। नवंबर के मध्य में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि यह ट्रेन दिसंबर 2025 में शुरू की जाएगी।

वैष्णव ने 30 दिसंबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर सुरक्षा परीक्षण का एक वीडियो साझा किया। वीडियो में पानी से भरे गिलासों की स्थिरता का प्रदर्शन किया गया। ट्रेन की तेज गति के बावजूद पानी से भरे गिलास स्थिर रहे। रेल मंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, ''रेल सुरक्षा आयुक्त द्वारा आज किए गए परीक्षण में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कोटा-नागदा खंड के बीच 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। हमारे स्वयं के पानी के गिलास के परीक्षण ने इस नई पीढ़ी की ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया। ''

अधिकारियों ने ट्रेन के सुरक्षा परीक्षण के बारे में बताया कि सवारी स्थिरता, दोलन, कंपन व्यवहार, ब्रेकिंग प्रदर्शन, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली, सुरक्षा प्रणालियों और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के आकलन सहित व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किए गए। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया, '' उच्च गति पर ट्रेन का प्रदर्शन पूरी तरह संतोषजनक पाया गया और सीआरएस द्वारा परीक्षण को सफल घोषित किया गया। '' अधिकारियों के अनुसार, परीक्षण में इस्तेमाल की गई 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी के सफर को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है और इसमें यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

नए साल के पहले दिन चर्चा में आया सुपरस्टार रजनीकांत का पोस्ट, बोले- 'मैं सबकुछ भगवान पर छोड़ देता हूं'

चेन्नई/एजेन्सी

सिनेमा की दुनिया में रजनीकांत की लोकप्रियता दशकों से कम नहीं हुई है। उनके फैंस सिर्फ उनके अभिनय के लिए ही नहीं, बल्कि उनके सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के लिए भी उन्हें दिल से पसंद करते हैं। हर साल नववर्ष के मौके पर रजनीकांत अपने फैंस से मिलने की परंपरा निभाते हैं और इस दौरान वे अपने फैंस के साथ संवाद भी करते हैं, उनके साथ समय बिताते हैं, और उन्हें नई उम्मीद और उत्साह देते हैं। इस साल भी उन्होंने गुरुवार को अपने घर के बाहर जमा हुए फैंस को नए साल की बधाई दी और सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो साझा किया। रजनीकांत ने घर के बाहर जमा हुए फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी। वहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी सुपरहिट फिल्म 'मुथु' का एक वीडियो क्लिप साझा किया। इस क्लिप में रजनीकांत एक रथ में बैठे दिखाई दे रहे हैं और उनके बगल में अभिनेत्री मीना भी हैं। यह वीडियो फैंस के लिए एक खास तोहफे जैसा है, जो पुराने समय की याद दिलाता है।

वीडियो में मीना, रजनीकांत से पूछती हैं कि 'हम जो रास्ता ले रहे हैं, क्या वह सही है?' इस पर रजनीकांत कहते हैं, 'कौन जाने? मैं कभी इस बात की परवाह नहीं करता कि मुझे कौन सा रास्ता लेना है। मैं सबकुछ भगवान पर छोड़ देता हूं। मेरी गाड़ी जो रास्ता चुनती है, मैं उस पर ही निकल जाता हूं और भगवान शिव का नाम जपता हूं।' रजनीकांत ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ''आप सभी को नया साल 2026 बहुत-बहुत मुबारक हो। भगवान आप सभी पर अपनी कृपा बनाए रखे।''

रजनीकांत इन दिनों अपनी अगली बड़ी फिल्म 'जेलर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन कर रहे हैं। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म है; इसका पहला पार्ट काफी सफल रहा था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 650 करोड़ रुपए की कमाई की थी। ऐसे में दूसरे पार्ट के लिए दर्शकों और फैंस के बीच काफी उत्साह है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में अयोध्या में आया बदलाव : योगी आदित्यनाथ

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में अयोध्या की स्थिति में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हितों और धार्मिक कट्टरता से प्रभावित लोगों के कारण अयोध्या पहले अशांति और संघर्ष का गढ़ बन गई थी।

आदित्यनाथ के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी थे, जिन्होंने राम मंदिर परिसर में अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण किया और प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर पूजा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका के लिए सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि लगभग 500 साल बाद मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए गर्व और भावनात्मक संतुष्टि का क्षण था। अयोध्या में एक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि सिंह राज्य सरकार और संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाते हुए राम जन्मभूमि आंदोलन से घनिष्ठ रूप से जुड़े रहे और वह 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के अवसर पर अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण समारोह के दौरान भावुक दिखाई दिए। मुख्यमंत्री ने याद किया कि आजादी के बाद अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई चरण देखे और आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति और धार्मिक कट्टरता के कारण, पवित्र शहर एक समय अशांति और संघर्ष का केंद्र बन गया था। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थिति में बदलाव आया है। आदित्यनाथ ने कहा, अयोध्या का नाम ही यह बतता है कि यहां कभी कोई युद्ध नहीं हुआ क्योंकि कोई भी शत्रु इसकी वीरता, शक्ति और गौरव के सामने टिक नहीं सका। उन्होंने कहा, हालांकि, कुछ लोगों ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थों, धार्मिक कट्टरता और तुष्टीकरण की घृणित राजनीति से प्रेरित होकर अयोध्या को अशांति और संघर्ष का अड्डा बना दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, फिर भी, यह वही अयोध्या है, जिसने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल नेतृत्व में पिछले 11 सालों में तीन महत्वपूर्ण घटनाएं देखी हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। आदित्यनाथ ने बताया कि इन तीन उल्लेखनीय घटनाओं की शुरुआत पांच अगस्त 2020 से हुई जब मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया जिसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ, और इस साल 25 नवंबर को मंदिर के मुख्य शिखर पर धर्मध्वज फहराया गया। उन्होंने कहा कि झंडा फहराने से दुनिया को एक मज़बूत संदेश गया कि सनातन धर्म सबसे ऊपर है और देश की आध्यात्मिक चेतना का मार्गदर्शन करता रहेगा। आदित्यनाथ ने कहा, देश और दुनिया का कोई भी ऐसा श्रद्धालु नहीं है, जो अब अयोध्या आकर अभिभूत न होता हो। पिछले पांच वर्षों के भीतर 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम आए हैं।''

नीम करोली बाबा की महागाथा, अब ग्लोबल पर्दे पर दिखेगी

मुंबई/एजेन्सी

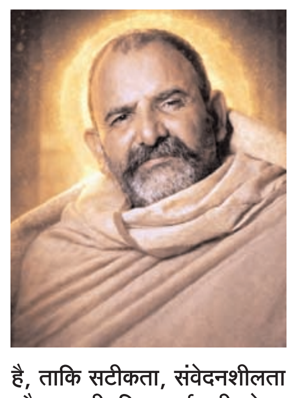

अलमाइटी मोशन पिक्चर ने अपने अब तक के सबसे बड़े और आध्यात्मिक रूप से गहरे प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा कर दी है संत नाम की यह सात कड़ियों वाली प्रीमियम वेब श्रंखला नीम करोली बाबा के जीवन, उनके समय और उनकी अमर विरासत पर आधारित है वैश्विक स्तर पर सोचकर रची गई यह श्रंखला बाबा की अद्भुत यात्रा, उनके बिना शर्त प्रेम, सेवा, भक्ति और दुनिया भर के लाखों जीवनों पर पड़े उनके असर को सामने लाने का सपना रखती है। यह श्रृंखला आध्यात्मिकता और सिनेमा के बीच पुल बनेगी और आधुनिक दर्शकों तक भारत के सबसे प्रभावशाली संतों में से एक की सच्ची और सम्मानजनक कहानी पहुँचाएगी दुनिया भर तक पहुँचने के उद्देश्य से बनाई जा रही यह श्रंखला करीब बीस भाषाओं में बनाई जाएगी, जिससे यह भारत की सबसे बड़ी बहुभाषी आध्यात्मिक श्रृंखलाओं में से एक बन जाएगी। कहानी कहने का अंदाज जीवंत सिनेमाई फिल्मांकन, बेहतरीन दृश्य प्रभाव और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पुनर्निर्माण को साथ लाएगा, ताकि अलग अलग दौर और चमत्कारी घटनाओं को असली एहसास के साथ दिखाया जा सके इस प्रोजेक्ट पर दो साल से ज्यादा समय से गहरी रिसर्च, अध्ययन और विकास का काम चल रहा है। इसमें आध्यात्मिक विद्वानों, इतिहासकारों और रचनात्मक विशेषज्ञों को जोड़ा गया है, ताकि सटीकता, संवेदनशीलता और कहानी की गहराई बनी रहे।

अलमाइटी मोशन पिक्चर ने यूनाइटेड किंगडम से शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों को जोड़ा है, साथ ही मजबूत भारतीय रचनात्मक और निर्माण टीम भी साथ है। निर्माता इस बात पर जोर देते हैं कि श्रंखला का स्तर दुनिया के डिजिटल मंचों के मानकों के बराबर होगा, पर आत्मा पूरी तरह भारतीय और आध्यात्मिक रहेगी वैश्विक पहुँच के तहत निर्माता यह भी कोशिश करेंगे कि दुनिया की जानी मानी हस्तियाँ जैसे मार्क जुकरबर्ग, जूलिया रॉबर्टर्स और स्टीव जॉब्स फाउंडेशन से संवाद किया जा सके, ताकि बाबा की करुणा, कृपा और उनके संदेश की सार्वभौमिकता को सच्चाई से सामने लाया जा सके।

प्रोजेक्ट पर बात करते हुए निर्माता और संस्थापक प्रभलीन संधू ने अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ साझा कीं, संत मेरे लिए सिर्फ एक श्रंखला नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। नीम करोली बाबा जी ने मेरे जीवन के सबसे कठिन समय में मेरा मार्गदर्शन किया, मुझे संभाला और शक्ति दी। एक आस्तिक होने के नाते यह मेरा सौभाग्य है कि मैं उनकी कहानी दुनिया तक पहुँचा रही हूँ और एक निर्माता के रूप में मैं पूरी मेहनत, सच्चाई और सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ इसे बनाने का वचन देती हूँ

प्रभलीन संधू ने हाल ही में भय द गौरव तिवारी मिस्ट्री नामक वेब श्रंखला पेश की, जो अमेजन एमएक्स प्लेयर और प्राइम वीडियो पर आई और अपने अलग अंदाज और साहसी विषय के कारण खूब चर्चा में रही। उन्होंने मेड इन इंडिया अ टाइटन स्टोरी नामक प्रतिष्ठित श्रृंखला भी पूरी की, जो भारत के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड टाइटन की रोमांचक यात्रा पर आधारित है। इसमें नसीरुद्दीन शाह ने जे आर डी टाटा का किरदार निभाया और जिम सर्भ ने ज़रक्सेस देसाई की भूमिका निभाई। इसे अपने सिनेमाई अंदाज और ऐतिहासिक गहराई के लिए खूब सराहा गया।

संत के जरिए अलमाइटी मोशन पिक्चर आध्यात्मिक कहानी कहने का एक नया स्तर स्थापित करना चाहता है, जो श्रद्धालुओं, खोजियों और वैश्विक दर्शकों सभी से संवाद करे। इस श्रृंखला को सिर्फ कंटेंट नहीं बल्कि एक अनुभव के रूप में देखा जा रहा है, जो आस्था, करुणा और कालातीत ज्ञान को आधुनिक सिनेमाई भाषा में पेश करेगा। कास्टिंग, मंच साझेदारी और निर्माण टाइमलाइन से जुड़ी और जानकारियाँ आने वाले महीनों में साझा की जाएँगी।

'द डर्टी पिक्चर' ने बदल दी थी अभिनेत्री विद्या बालन की किस्मत

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन, फिल्मों और बंगाली सिनेमा में कई बार रिजेक्शन झेलने के बाद विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में पहली बड़ी पहचान फिल्म 'परिणीता' से मिली। यह सफर आसान नहीं था। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को काम पाने के लिए कई तरह की कसौटियों से गुजरना पड़ता है, जहां सबसे पहले उनके शारीरिक बनावट और रंग को निशाना बनाया जाता है। इन तमाम चुनौतियों को सहते हुए विद्या बालन ने अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन एक फिल्म ऐसी आई जिसने उनकी पूरी पहचान बदलकर रख दी। यह फिल्म विवादों में जरूर रही, मगर इस फिल्म में उनके बोल्ड और दमदार किरदार ने न सिर्फ सुर्खियां बटोरीं, बल्कि उन्हें अलग मुकाम पर भी पहुंचा दिया। यह फिल्म थी 'द डर्टी पिक्चर', जो विद्या बालन के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुई।

जिस तरह की सफलता और पहचान उन्हें इस फिल्म से मिली, वैसी कामयाबी उनके करियर में किसी दूसरी फिल्म से नहीं मिल सकी। विद्या बालन जनवरी को 1 जनवरी को अपना 48वां जन्मदिन मनाएंगी और इस मौके पर हम आपको उनकी फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' से जुड़े से अनोखे फैक्ट के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में पहले नहीं सुना होगा। 'द डर्टी पिक्चर' महिला आधारित फिल्म थी, जिसमें इमरान हाशमी और तुषार कपूर के होते हुए सारी लाइमलाइट विद्या ले गईं। विद्या की झोली में आने से पहले फिल्म कंगना रनौत को ऑफर हुई थी और फिल्म की बोल्ड स्क्रिप्ट सुनने के बाद कंगना ने फिल्म को रिजेक्ट कर दिया था, हालांकि फिल्म की सफलता के बाद उन्हें अफसोस भी हुआ था। 'द डर्टी पिक्चर' करना विद्या के लिए आसान नहीं था। अपने किरदार में ढलने के लिए विद्या ने 12 किलोग्राम वजन बढ़ाया था और फिल्म की पूरी शूटिंग के दौरान तकरीबन 100 से ज्यादा कॉस्ट्यूम बदले थे। फिल्म की शूटिंग से पहले ही उनके किरदार को ध्यान में रखते हुए 100 कॉस्ट्यूम डिजाइन किए गए थे। 'द डर्टी पिक्चर' में बोल्ड सीन की भरमार थी, और विद्या के लिए सीन करना आसान नहीं था। उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया था कि बोल्ड सीन के समय सेट पर ज्यादातर महिलाएं उपस्थित होती थीं, चाहे वे कोरियोग्राफर हों या मेकअप मैन। सेट पर माहौल को लाइट बनाने के लिए महिलाओं की मौजूदगी की वजह से सीन आसानी से हो जाते थे। 18 से 20 करोड़ के बजट में बनी फिल्म सुपरहिट रही। हालांकि, फिल्म विवादों में रही लेकिन 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था। विद्या को फिल्म की सफलता का पूरा क्रेडिट मिला। इसके बाद उन्हें बैक-टू-बैक फिल्में मिलनी शुरू हो गई थीं। द डर्टी पिक्चर के बाद वे 'कहानी', 'हमारी अधूरी कहानी', 'मिशन मंगल', और 'भूल भूलैया-3' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं।

'बॉर्डर 2' के जरिए पुरानी यादों को ताजा करने के लिए हर कोई उत्सुक है : निधि दत्ता

मुंबई/भाषा

'बॉर्डर 2' की निर्माता निधि दत्ता का कहना है कि 'घर कब आओगे' गीत जारी होने से पहले ही फिल्म को मिल रहे प्यार से वह अभिभूत हैं। उन्हें विश्वास है कि इस नई फिल्म के जरिए प्रशंसक 1997 की हिट फिल्म की पुरानी यादों को फिर से जी सकेंगे। फिल्म निर्माता 'घर कब आओगे' जारी करने के लिए तैयार हैं। यह गीत सोनू निगम, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और दिलजीत दोसांझ जैसे गायकों ने मिलकर गाया है। अनु मलिक के संगीत को मिथुन ने फिर से तैयार किया है और जावेद अख्तर द्वारा पुरानी फिल्म के लिए लिखे गए मूल गीत में अब अतिरिक्त पंक्तियां मनोज मुंतशिर शुक्ला द्वारा लिखी गई हैं। इस गीत के 'टीज़र' को सभी मंचों पर 70 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। दत्ता के पिता जेपी दत्ता द्वारा 1997 में निर्देशित 'बॉर्डर' एक ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई थी।

निधि दत्ता ने एक बयान में कहा, 'बॉर्डर 2' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक भावना है जो दुनिया भर के हर भारतीय से जुड़ी है। इस फिल्म के लिए विदेशों में भी भारतीयों की प्रतिक्रिया बेहद मार्मिक रही है। हर कोई फिल्म का इंतजार कर रहा है और हर कोई मेरे पिता की फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को फिर से जीना चाहता है। दत्ता ने कहा, 'घर कब आओगे' गाने के जारी किए जाने को लेकर उमड़ रहे प्यार और उम्मीद ने भावनाओं को और भी गहरा कर दिया है। इससे मेरे पिता और मुझे यह भरोसा मिलता है कि 'बॉर्डर 2' का इंतजार उन पुरानी यादों को फिर से जीने की चाहत के साथ किया जा रहा है जो दुनिया भर के हर भारतीय के दिल से जुड़ी हैं। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित, 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा, सोनम बाजवा और आन्या सिंह जैसे कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा जे.पी. दत्ता की जे.पी. फिल्म्स के सहयोग से प्रस्तुत की गई है तथा इसके निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता हैं। 'बॉर्डर 2' फिल्म 23 जनवरी सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

असली तंदुरुस्ती मन से शुरू होती है : कुब्रा सैत

मुंबई/एजेन्सी

आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में लोग जिम, डाइट प्लान और सोशल मीडिया फिटनेस ट्रेंड्स में इतने उलझ गए हैं कि वे यह भूल गए हैं कि असली स्वास्थ्य का आधार क्या है। इस कड़ी में अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि फिटनेस का असली मतलब केवल वजन कम करना या मसल्स बनाना नहीं होता, बल्कि मानसिक मजबूती और आत्म-जागरूकता भी सबसे अहम हैं। कुब्रा सैत ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, ''समय के साथ मेरी फिटनेस और स्वास्थ्य को लेकर सोच पूरी तरह बदल गई। पहले मैं केवल सुंदरता और शरीर की शेप को लेकर चिंतित रहती थी, लेकिन अब मेरा फोकस मानसिक स्वास्थ्य पर है। असली तंदुरुस्ती मन से शुरू होती है। अगर मन संतुलित और मजबूत है, तो शरीर अपने आप स्वस्थ रहता है।'' कुब्रा ने कहा, ''आज के दौर में सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि लोग दिखावे और बाहरी रूप पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हम सभी फिटनेस टिप्स, हैक्स और ट्रेंड्स से घिरे हुए हैं, लेकिन इन सबके बीच हम भूल जाते हैं कि हर शरीर अलग होता है। खुद पर जो दबाव हम डालते हैं, वह अच्छा दिखने के लिए होता है, न कि सच में अच्छा महसूस करने के लिए। मेरे लिए फिटनेस का मतलब एक स्वस्थ मन है, जो शरीर तक अपना सकारात्मक असर पहुंचाता है।''

कोविड-19 महामारी के दौरान फिटनेस जर्नी में आए मोड़ को लेकर कुब्रा ने बताया कि उस वक्त एहसास हुआ कि मानसिक स्वास्थ्य, हार्मोन और शरीर के कामकाज का आपस में कितना गहरा रिश्ता है।उन्होंने कहा, ''कोविड के समय मुझे यह समझ में आया कि हमारा शरीर किस तरह से डोपामिन, सेरोटोनिन, एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन जैसे रसायनों से जुड़ा होता है, जिन्हें हमारा दिमाग नियंत्रित करता है। अगर मानसिक रूप से संतुलन न हो, तो शरीर पर इसका असर तुरंत दिखता है।''कुब्रा ने कहा, तनाव केवल दिमाग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह सीधे तौर पर शरीर को भी प्रभावित करता है। तनाव से कॉर्टिसोल बढ़ता है, और जब कॉर्टिसोल बढ़ता है, तो शरीर को वजन कम करने या स्वस्थ रहने में दिक्कत महसूस होती है। इसलिए मानसिक मजबूती फिटनेस की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है।कुब्रा अनुशासन को फिटनेस और तंदुरुस्ती की असली कुंजी मानती हैं। उन्होंने कहा, ''स्वास्थ्य कोई मंजिल नहीं है, बल्कि रोज की प्रक्रिया है। इसका मतलब यह नहीं कि आप किसी बाहरी रूप या ट्रेंड का पालन करें, बल्कि यह कि आप मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह अपने जीवन में मौजूद रहें।''

उन्होंने कहा, ''अगर हम अपने मन पर ध्यान दें और मन और शरीर दोनों के साथ अनुशासित रहें, तो यही सही संतुलन है। हमारे आसपास चाहे माहौल कितना भी तनावपूर्ण क्यों न हो, अगर मन मजबूत है, तो शरीर भी स्वस्थ रहता है।'' कुब्रा ने कहा, ''अच्छी फिटनेस न उम्र से तय होती है, न शरीर के आकार से और न ही समाज की अपेक्षाओं से। असली फिटनेस का मतलब भीतर की मजबूती और मानसिक संतुलन है।

जब सेट पर न सुविधा थी, न आराम, सिर्फ काम के लिए जुनून था : माधुरी दीक्षित

मुंबई/एजेन्सी

आज के समय में जहां फिल्मी सेट पर वैनिटी वैन, आरामदायक इंतजाम और आधुनिक तकनीक आम बात हो चुकी है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब कलाकारों और तकनीकी टीम को बेहद सीमित सुविधाओं में काम करना पड़ता था। अपने शुरुआती फिल्मी दिनों को लेकर बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने से खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे 1980 और 1990 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री आज की तरह संगठित नहीं थी और कलाकारों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। माधुरी दीक्षित ने अपने करियर के शुरुआती वर्षों को याद करते हुए कहा, ''उस समय फिल्मों की शूटिंग आज जैसी आरामदायक नहीं हुआ करती थी। तब न तो वैनिटी वैन होती थीं और न ही ठीक से तैयार होने की जगह। कलाकारों को खुले में, कभी जंगल जैसी जगहों पर जाकर तैयार होना पड़ता था। ठंड, धूप और मौसम की मार झेलते हुए कलाकारों को शूट करना पड़ता था।'' माधुरी ने कहा, ''मैं उन दिनों को ज्यादा याद नहीं करना चाहती, क्योंकि वह समय काफी कठिन था। उस दौर में जो मेहनत की गई, वह किसी मजबूरी के कारण नहीं, बल्कि काम के प्रति जुनून था। उस समय किसी को यह एहसास ही नहीं होता था कि वे कोई बड़ा त्याग कर रहे हैं, क्योंकि वही जीवनशैली बन चुकी थी।''

अपने अनुभव साझा करते हुए माधुरी ने कहा, ''ऊटी में शूटिंग के दौरान कलाकारों और टीम को किसी जंगल या खुले स्थान में जाकर तैयार होना पड़ता था। हेयरड्रेसर ठंड से बचने के लिए शॉल ओढ़कर खड़े रहते थे। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो उन दिनों की कठिनाइयां साफ दिखाई देती हैं, लेकिन उस वक्त सभी लोग मिलकर काम का आनंद लेते थे। टीम भावना इतनी मजबूत थी कि सभी एक-दूसरे का साथ देते थे। सभी का जुनून फिल्म को बेहतर बनाने के लिए होता था।'' माधुरी ने कहा, ''फिल्ममेकिंग के तरीके में समय के साथ बड़ा बदलाव आया है। मैं अपने करियर की पहली फिल्म 'अबोध' से लेकर हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मिसेज देशपांडे' तक के सफर को देखूं तो आज की इंडस्ट्री पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा प्रोफेशनल और संगठित हो चुकी है।'' जब उनसे पूछा कि 1980 और 1990 के दशक में निर्देशकों के साथ काम करने का अनुभव कैसा था और आज के दौर में क्या बदलाव आया है, तो माधुरी ने कहा, ''पहले इंडस्ट्री काफी हद तक अव्यवस्थित थी। उस समय केवल कुछ ही निर्माता ऐसे थे जो बहुत व्यवस्थित तरीके से काम करते थे, जैसे यश चोपड़ा, बी.आर. चोपड़ा, सुभाष घई और राजश्री प्रोडक्शंस। बाकी जगहों पर काम अधिकतर परिस्थितियों के भरोसे चलता था।''

माधुरी ने कहा, ''पहले कलाकारों को कुछ ही मिनटों में सीन शूट करना होता था, जबकि आज किरदार की तैयारी के लिए पूरा समय दिया जाता है। अब स्क्रिप्ट पहले से मिल जाती है, शूटिंग शेड्यूल तय होता है और सेट पर आराम के लिए वैनिटी वैन जैसी सुविधाएं मौजूद रहती हैं। कलाकार हर शॉट के बाद आराम कर सकते हैं या शांति से तैयार हो सकते हैं। इसके उलट, पहले कलाकारों को धूप में छाते के नीचे बैठकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था।''

राजस्थान संघ ने 'हल्दी गोठ' से नए वर्ष का किया स्वागत

सैंकड़ों लोगों ने उपस्थित होकर 'हल्दी गोठ' का लिया आनंद

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा नए वर्ष के स्वागत के रूप में प्रिंसेस श्राइन सभागार में 'हल्दी गोठ' गेट टुगेदर कार्यक्रम का आयोजन किया। संघ गत 9 वर्षों से प्रति वर्ष राजस्थानी रिवाज से पारम्परिक ढंग से धरती पर बैठा कर चौकी पर स्वादिष्ट हल्दी गोठ के रूप में स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है। पवनकुमार पिंकी भंसाली परिवार के मुख्य प्रायोजन व कमलबाबू अग्रवाल नागपुर, पंकजकुमार सुमेरमल परिवार, प्रकाशचंद मनोजकुमार टूंकलिया परिवार, राजेन्द्रकुमार बालिया, अनिल संकलेचा परिवार के सहयोग से आयोजित इस आयोजन में अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मंत्री कमल पुनमिया, कोषाध्यक्ष अमित मेहता, नवनिर्वाचित चेयरमैन अनिल संकलेचा सहित अन्य सदस्यों ने सभी लाभार्थियों को मुख्य द्वार से आदर सहित प्रवेश करवाकर समारोह स्थल पर सम्मान किया। इस अवसर पर बेंगलूरु की ज्यादातर सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के सदस्यों ने इस गेट टुगेदर में भाग लिया और हल्दी गोठ का आनंद उठाया। अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी लाभार्थी परिवारों, सहयोगियों व कैटरर्स को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष प्रवीण पोरवाल द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

आचार्यश्री पार्श्वचंद्र के जन्मदिवस को सामूहिक सामायिक दिवस के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति, बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के 77वें जन्म दिवस एवं नववर्ष के उपलक्ष्य में जेपीपी समणी सेन्टर में सामूहिक सामायिक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जैन समणी डॉ. सुयशनिधि जी ने उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री के तपस्वी जीवन, त्याग, तप और साधना से परिपूर्ण व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री का सम्पूर्ण जीवन आत्मशुद्धि, संयम और करुणा का जीवंत उदाहरण है, जो आज के युग में प्रत्येक साधक के लिए प्रेरणास्रोत है। डॉ. समणी ने सामायिक के महत्व को सरल एवं प्रभावशाली शब्दों में समझाते हुए बताया कि सामायिक केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण की श्रेष्ठ साधना है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार प्रतिदिन कुछ क्षणों का सम्यक ध्यान मन, वाणी और काया को शुद्ध कर जीवन में संतुलन लाता है। साथ ही उन्होंने क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषायों को कम करने की व्यावहारिक एवं सरल तकनीकें भी साझा कीं, जिन्हें

दैनिक जीवन में अपनाकर व्यक्ति मानसिक शांति और आत्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी साधकों ने सामूहिक सामायिक कर आत्मचिंतन किया तथा नववर्ष में आत्मिक उन्नति, संयम और सद्भाव के मार्ग पर अग्रसर रहने का संकल्प लिया। यह आयोजन आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रेरणा और आत्मिक शांति से परिपूर्ण रहा। विमल जांगड़ा ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, एलएन पुरम की अध्यक्ष अमिता नाहर ने आचार्यश्री का जीवन परिचय पढ़कर सभी को उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व के बारे में बताया। नव वर्ष के उपलक्ष्य में डॉ. समणी सुयशनिधि जी ने महामांगलिक श्रवण करवाया।

देखभाल

अगरतला में गुरुवार को अगरतला के इंदिरा गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में पहले दिन पैदा हुए नए जन्मे बच्चों की देखभाल करती नर्सें।

शाह चार को तमिलनाडु दौरे पर जाएंगे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम में होंगे शामिल

चेन्नई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चार जनवरी से तमिलनाडु के दो-दिवसीय दौरे पर रहेंगे और पुडुक्कोट्टई में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के राज्यव्यापी राजनीतिक अभियान के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। इस दौरान शाह भाजपा जिला इकाई द्वारा आयोजित मोदी पोंगल' कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। इसके बाद पांच जनवरी को वह तिरुचिरापल्ली जाएंगे, जहां श्रीरंगम स्थित श्री रंगनाथस्वामी मंदिर में दर्शन करेंगे। शाह के दौरे की पुष्टि करते हुए नैनार नागेंद्रन ने बृहस्पतिवार को तिरुनेलवेली में संवाददाताओं से कहा कि पुडुक्कोट्टई में होने वाली बैठक में करीब 50,000 लोगों के शामिल होने की व्यवस्था की जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, तिरुचिरापल्ली रोड पर 49 एकड़ भूमि में पर्याप्त रोशनी और बैठने की व्यवस्था के साथ एक भव्य मंच तैयार किया जा रहा है। बैठक स्थल पर भीड़ नियंत्रण के लिए अवरोधक लगाए जाएंगे। नागेंद्रन ने 12 अक्टूबर को मदुरै से तमिलगम थलाई निमिरा तमिलनिन पयनम' (तमिलनाडु को गौरव के साथ आगे बढ़ाने के लिए एक तमिल की यात्रा) नाम से राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार को निशाना बनाना है। सामाजिक न्याय के मुद्दे पर द्रमुक पर कथित दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए नागेंद्रन ने कहा कि द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन सामाजिक न्याय की बात करते हैं और 'समत्व पोंगल' जैसे आयोजनों को प्रोत्साहित करते हैं, लेकिन वास्तविकता में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जब पूरी दुनिया नववर्ष मना रही थी, तब भी सफाई कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जो 2021 के विधानसभा चुनाव में उनकी सेवाओं के नियमितीकरण के द्रमुक के वादे को लागू न किए जाने का परिणाम है। नागेंद्रन ने यह भी सवाल किया कि अधूरे चुनावी वादों के अलावा क्या 'द्रविड़ मॉडल' सरकार यह भी भूल गई है कि सफाई कर्मचारी भी इंसान हैं।

जीवन के जिस क्षण में आत्म चेतना उजागर हो, वही क्षण सर्वश्रेष्ठ : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन स्थित एक श्रद्धालु के निवास पर विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नए वर्ष 2026 के शुभारंभ पर महा मांगलिक श्रवण करवाते हुए कहा कि जब मानव जीवन का हर क्षण मूल्यवान है तो मानव जीवन का ऐसा कौन सा क्षण है, जिसमें वह मानव जीवन का निर्माण करना प्रारंभ करे। जीवन में सोने का भी समय होता है, उठने का भी समय होता है, दुकान खोलने का भी समय होता है, बंद करने का भी समय होता है।

जीवन निर्माण का समय कब, जिस क्षण आत्मा मोक्ष मार्ग पर प्रस्थान करने का सोचती है, वही समय जीवन की महान इमारत निर्माण के लिए शुभ घड़ी है। जीवन के जिस क्षण में आत्म चेतना उजागर हो गई, वही क्षण सर्वश्रेष्ठ। जो मानव जीवन निर्माण के लिए जाग जाएगा उसी क्षण में वह सब कुछ पाएगा, जिस क्षण में आत्म कल्याण की भावना जगती है वही जीवन निर्माण की शुभ घड़ी है। सत्य सहज है। सहजता में जीवन असाधारण होता है। सरलता के बगैर सत्य का सान्निध्य नहीं मिलता। मानव को सहज और सरल जीवन व्यतीत करने का अभ्यास करना चाहिए। सरलता से पृथक होते ही यह जीवन कष्टमय बन जाता है। पद और ज्ञान का दंभ जीवन को जटिलतम बनाता है। सहज और सरल जीवन के माध्यम से प्रयास के बगैर मंजिल मिलती है। सहजता में जीवन असाधारण होता है। ड्ढसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि सत्य सहज है। सत्य का यथार्थ से संबंध है। सत्य बोलना कठिन नहीं है। जो वास्तविकता है उसे ही कहना है। सत्य में जोड़ना घटाना और गुणा-भाग नहीं करना पड़ता। झूठ बोलना इसके ठीक विपरीत है। जो नहीं है, वही कहना है।वास्तविकता से दूर जाना पड़ता है। संबंध की दीर्घता में सत्य सरल सेतु है। सत्य को कभी स्मरण नहीं रखना पड़ता। स्वयं स्मृति में रहता है। झूठ को सदा स्मृति पटल पर रखना होता है। झूठ को जितनी बार दोहराते हैं उतनी बार उसका अर्थ बदलता जाता है। झूठ जटिलताएं उत्पन्न करता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनकर सरलता नष्ट करती हैं। सरलता के बगैर सत्य का सान्निध्य नहीं मिलता। जटिलता छोड़ने पर आनंद धारा फूट पड़ती है।

'जिनशासन रूपी माला के मनके हैं सभी साधु साध्वी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में खरतरगच्छ और तपागच्छ दो धाराओं के गणिवर्य श्री गुणहंसविजयजी व मुनिश्री मलयप्रभ सागरजी का आध्यात्मिक मिलन हुआ। संयुक्त प्रवचन में श्री गुणहंस विजयजी ने कहा कि साधुओं का स्नेह मन से एक दूसरे को सम्मान प्रदान करके होता है। हमारे शरीर के भोजन के रूप में हम अन्न ग्रहण करते हैं, उससे हमारे शरीर को पोषण मिलता है, उसी तरह मन के भोजन के रूप में हमें सभी को प्रेम प्रदान करना चाहिए। यही हमारे मन का शुद्ध भोजन है। मलयप्रभसागरजी ने कहा कि मोतियों से माला, पत्थर से भवन, तंतु से वस्त्र बनने के बाद ही वह मूल्यवान बनता है, इनका अलग से कोई मूल्य नहीं होता है। इसी प्रकार हमारा मूल्य भी जिनशासन रूपी माला से है। भवविरहविजयजी ने कहा कि हम सभी सम्प्रदायों से भले ही अलग हो सकते हैं लेकिन हम जिनशासन और आगमों की दृष्टि से एक हैं।

मंड्या में नववर्ष वृहद मंगलपाठ एवं अनुष्ठान का आयोजन

मंड्या/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन में नववर्ष के उपलक्ष्य में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में वृहद मंगलपाठ एवं अनुष्ठान का आयोजन किया गया। नववर्ष में सिद्ध स्तुति के अनेक मंत्रों का उच्चारण करते हुए साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि जहां सुसंस्कार होते हैं वहा विनय, कीर्ति, बुद्धि, लक्ष्मी, विवेक सब प्रकार की विभूतियां रहती हैं। साध्वीश्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नव वर्ष में ज्ञान दर्शन, चरित्र की श्रीवृद्धि हो। सुसंस्कारों का संवर्धन होता रहे। इन हाथों को इतना मजबूत बनाएं कि निर्माण का नव इतिहास बने। नव वर्ष शुभंकर हो, प्रियंकर हो, क्षेमंकर हो कल्याणकारी हो। नई चेतना, नए संकल्पों और नई ऊर्जा के साथ नए आलोक का निर्माण करें। साध्वीश्री की निश्रा में लगभग 300 व्यक्तियों ने सामायिक साधना के साथ वृहद मंगलपाठ का श्रवण किया।साध्वीश्री विनितयशाजी, वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभाजी ने एक रोचक कार्यक्रम के साथ बारह महिनों के सुसंस्कारों को अपनाने की प्रेरणा दी। इस मौके पर कन्या मंडल द्वारा 'आने वाले वर्ष को हम कैसे अपनाएं' उसे एक गीतिका व नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा के मंत्री विनोद भंसाली ने उपस्थित सभी जनों का स्वागत किया और धन्यवाद भी दिया। इस मौके पर आसपास क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

जैन युवा संगठन की आध्यात्मिक तीर्थ यात्रा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन के सदस्यों ने शत्रुंजय पालीताणा तीर्थ, रोहिशाला, शत्रुंजय नदी आरती का आयोजन किया साथ ही भक्ति संध्या एवं सम्मान समारोह भी हुआ। सदस्यों ने आध्यात्मिक तीर्थ यात्रा के तहत शत्रुंजय पालीताणा, रोहिशाला तीर्थ, खंभात जैन तीर्थ, अयोध्यापुरम तीर्थ के दर्शन कर पालीताणा में भक्ति संध्या एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह का संचालन अमित सिंघवी ने किया। संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई इस यात्रा ने सदस्यों एवं उनके परिवारजनों को सामूहिक प्रार्थना, पूजा-अर्चना, स्वाध्याय एवं धार्मिक चर्चाओं के माध्यम से आत्मचिंतन, आत्मविकास एवं आध्यात्मिक अनुशासन से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। संयोजक विशाल गुगलिया ने सभी को धन्यवाद दिया। मंत्री सुश्रुत चेलावत ने सभी को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष रीतेश पामेचा, सह-मंत्री दीपेश धोका, कोषाध्यक्ष विनय गांधी सहित अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्था सँभाली ।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ ऑर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को नए वर्ष-2026 के कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष महावीर खाबिया, कोषाध्यक्ष राजन बाघमार, मनोहर सांखला, प्रकाश गांधी, सुनील लुणावत आदि सदस्यों ने कैलेंडर का विमोचन किया।

कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट ने नए वर्ष के कैलेंडर का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित वर्ष 2026 के नए कैलेंडर का विमोचन राजाजीनगर में ट्रस्टियों तथा सहयोगी सदस्यों द्वारा किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सबका स्वागत करते हुए जानकारी दी कि भारत भर में बसे कांठा प्रांत दसा ओसवाल समाज के लगभग 2700 परिवारों को यह कैलेंडर भेजा रहा है जो कांठा प्रांतीय महानुभावों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करेगा। कैलेंडर प्रकाशन योजना के संयोजक जसवंत गुगलिया एवं कांतिलाल गुगलिया के अनुसार कैलेंडर में मारवाड़ी संस्कृति के साथ धार्मिक जानकारियों को भी समायोजित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कैलेंडर प्रकाशन के सहयोगी हैदराबाद के शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स के गौतम सेहलोत का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मीठालाल पटवा, भरत कोठारी, महेन्द्र मुथा, महेन्द्र कटारिया इत्यादि ने समाजोत्थान के सुझाव रखे। कार्यक्रम में आगामी बैडमिंटन प्रतियोगिता की जानकारी दी गई। सिद्धार्थ बोहरा ने धन्यवाद दिया।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शिवपुत्र विनायक फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा विजयनगर, हम्पीनगर में अण्णमादेवी उत्सव का आयोजन किया गया। मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत व शांताबाई भंडारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आयोजकों ने अतिथियों का सम्मान किया।

टीपीएफ सेन्ट्रल ने नए वर्ष के कैलेंडर का किया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) सेंट्रल शाखा ने नए वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र पर विराजित मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में वर्ष 2026 के लिए टीपीएफ कैलेंडर का विमोचन किया तथा नव वर्ष का मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम में तेरापंथ समाज के सैंकड़ों लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस वर्ष का कैलेंडर तेरापंथ के प्रथम आचार्य श्री भिक्षु स्वामी की त्रिशताब्दी वर्ष के थीम पर आधारित है। इस कैलेंडर में टीपीएफ के आयामों और अन्य महत्वपूर्ण पहलों को भी शामिल किया गया है। इस बार टीपीएफ ने दीवार और टेबल कैलेंडर बनाया है जो लगभग 2500 सदस्यों को पोस्ट किया जाएगा। कैलेंडर परियोजना के संयोजक और उपाध्यक्ष पीयूष डागा द्वारा संपूर्ण कैलेंडर कार्य सम्पादित किया गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**